दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

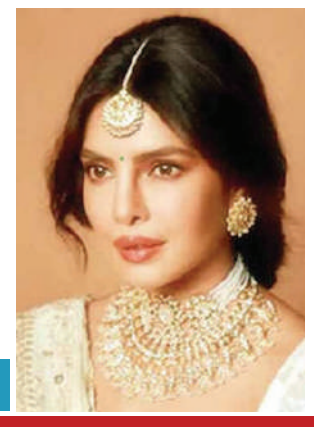

भगवान शिव की भूमिका निभाएंगे रणवीर...

मीरा की फिल्म अमरी में आएंगी नजर

वर्ष : 12 | अंक : 142 | लखनऊ, 14 मई, गुरूवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

पूर्व मंत्री माधव सिंह का निधन

रांची। बिहार-झारखंड सरकार में मंत्री रह चुके माधव लाल सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और रांची के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। सिंह ने निधन पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स हैंडल पर लिखा है-गोमिया से पूर्व विधायक, एकीकृत बिहार सरकार एवं राज्य गठन के बाद झारखंड सरकार में मंत्री रहे माधव लाल सिंह के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है।

पटना में दिनदहाड़े कैश वैन से 27 लाख की लूट

पटना। बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों ने एक बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया है।

गोपालपुर थाना क्षेत्र के जोल बीघा के समीप निजी कंपनी की कैश वैन से करीब 27 लाख रुपए लूट लिए गए। बताया जा रहा है कि बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, अपराधी पहले से घात लगाए हुए थे। जैसे ही कैश वैन जोल बीघा इलाके के पास पहुंची, दो बाइक पर सवार पांच बदमाशों ने वैन को रोक लिया। इसके बाद हथियार दिखाकर कर्मचारियों को डराया और कैश से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

बोरे में 4 कटी हुई लाशें मिली

पटना। बिहार के कैमूर जिले में

एक के बाद एक सिर कटी हुई कई लाशें मिलने से हड़कंप मचा हुआ है। मंगलवार की देर रात एक बार फिर से सिर कटी हुई लाशें कई टुकड़ों में मिली हैं. जानकारी के मुताबिक, रामगढ़ थाना क्षेत्र के अभैदे गांव के पास बोरे में 4 शव टुकड़ों में कटे हुए मिले हैं। बड़ी बात है कि बोरे में जो शव मिल हैं। उनका सिर कटा हुआ है।

मौत से परिवार और राजनीतिक क्षेत्र में शोक का माहौल

प्रतीक यादव के घर पहुंचे सीएम योगी, परिवार को ढांढस बंधाकर दी अंतिम श्रद्धांजलि, आज होगा अंतिम संस्कार

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के भाई और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनके निधन के कारणों की जांच के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया गया। केजीएमयू में हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि उनके शरीर में खून का थक्का जमा हुआ था।

रिपोर्ट के अनुसार, खून का थक्का शरीर के निचले हिस्से से ऊपर की ओर बढ़ा। इसके कारण उनकी आर्टरी और फेफड़ों में संक्रमण हुआ और अंततः कार्डियक अरेस्ट से उनकी मृत्यु हो गई। हालांकि, पोस्टमार्टम के बाद विसरा रिपोर्ट आने पर और अधिक जानकारी सामने आएगी।

प्रतीक यादव राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय थे

प्रतीक यादव के निधन के बाद उनका शव केजीएमयू से उनके आवास पर ले जाया गया। वहां उनके अंतिम दर्शन के लिए शव रखा गया, ताकि परिवारजन और रिश्तेदार उन्हें आखिरी बार देख सकें और श्रद्धांजलि दे सकें। अंतिम संस्कार आज (गुरुवार) को दोपहर साढ़े बारह बजे पिपरा घाट पर होगा। इसके लिए जगह और आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी शुरू कर दी गई है।

परिवार और रिश्तेदारों की मौजूदगी

प्रतीक यादव के निधन पर परिवार और राजनीतिक क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके अंतिम संस्कार में उनकी पत्नी अपर्णा यादव, सौतेले भाई अखिलेश यादव, भाभी डिंपल यादव, चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव और चाचा शिवपाल यादव शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य परिवारजन, दोस्त और राजनीतिक साथी भी अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उपस्थित रहेंगे।

प्रतीक यादव की राजनीतिक और सामाजिक भूमिका

प्रतीक यादव राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय थे। उनकी मौत से परिवार और राजनीतिक क्षेत्र में शोक का माहौल है। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग शामिल होने की संभावना है।

आम जनता को राहत देने के लिए सरकार ने वर्क फ्रॉम होम को लेकर निर्देश जारी किए

उत्तरप्रदेश में वर्क फ्रॉम होम को लेकर योगी सरकार ने जारी की एडवाइजरी

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/लखनऊ,

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर गहराते ऊर्जा संकट की आंच अब उत्तर प्रदेश के दरवाज़े तक आ पहुंची है। प्रधानमंत्री मोदी की ईंधन बचाओ की अपील को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बड़े बदलावों का खाका तैयार किया है। सरकार का मुख्य उद्देश्य बिजली और ईंधन की खपत को कम करना है ताकि भविष्य में किसी बड़े संकट से बचा जा सके। बता दें कि उत्तर प्रदेश उन राज्यों में शुमार है, जहां पेट्रोल की सबसे ज्यादा खपत होती है।

-योगी सरकार ने बड़े बदलावों का खाता किया तैयार

-140 करोड़ भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा किया

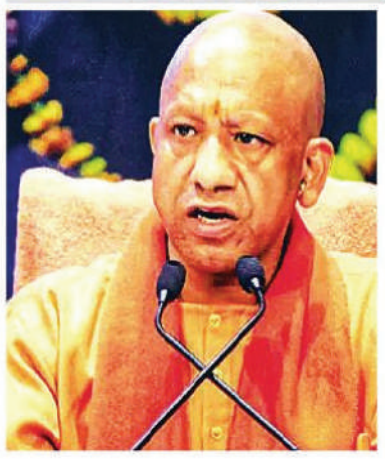

प्राइवेट सेक्टरः अब सप्ताह में 2 दिन वर्क फ्रॉम होम करेंगे

मुख्यमंत्री ने निजी क्षेत्र की आईटी कंपनियों, स्टार्टअप्स और बड़े संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए हैं। कंपनियों को सलाह दी गई है कि वे अपने कर्मचारियों को सप्ताह में कम से कम 2 दिन घर से काम करने की सुविधा दें। इससे सड़कों पर गाड़ियों की भीड़ कम होगी, ईंधन की भारी बचत होगी और कर्मचारियों को भीषण गर्मी और लंबी यात्रा से राहत मिलेगी।

सरकारी दफ्तरों के लिए नए नियम

केवल जनता ही नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र को भी ईंधन बचाने की मुहिम में झोंक दिया गया है। अब सचिवालय और निदेशालयों की कम से कम आधी बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होंगी। सेमिनार और वर्कशॉप जैसे बड़े आयोजनों को भी अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट करने का फरमान जारी किया गया है।

वीआईपी कल्चर पर कैंची, सीएम ने खुद से की शुरुआत

ईंधन बचाने की इस लड़ाई में मुख्यमंत्री ने खुद मिसाल पेश की है। सीएम ने अपने स्वयं के, मंत्रियों और अन्य वीआईपी के आधिकारिक वाहनों के काफिले को 50 प्रतिशत तक छोटा करने का आदेश दिया है। सांसदों और विधायकों से अनुरोध किया गया है कि वे सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।

नो व्हीकल डे और जागरूकता की नई लहर

ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सीएम ने जनता से भी सहयोग मांगा है। सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डे मनाने का सुझाव दिया गया है। राज्य सरकार कार पूलिंग, साइकिलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास और प्रोत्साहन देगी। दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने से भारत में ऊर्जा संकट का खतरा बढ़ गया है। यूपी सरकार के ये सख्त कदम यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि प्रदेश की बिजली और ईंधन व्यवस्था सुचारू बनी रहे और युद्ध का असर आम आदमी की बुनियादी जरूरतों पर न पड़े।

तकनीक खेत-खलिहान तक पहुंची- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- आज तकनीक प्रयोगशाला से निकलकर खेत-खलिहान तक पहुंच गई है। इससे जनजीवन सुगम हुआ है। डीबीटी के माध्यम से पैसे हस्तांतरित हो रहे हैं। आज ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा इसी तकनीक का प्रतिफल है। उत्तर प्रदेश के सपूत शुभांशु शुक्ला ने गत वर्ष सफल अंतरिक्ष उड़ान से 140 करोड़ भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा किया, तो यह तकनीक का ही चमत्कार है। इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं

सीएम योगी ने कहा- मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, हर वर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। यह तिथि यूं ही नहीं चुनी गई। वर्ष 1998 में इसी दिन पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के अंतर्गत भारत ने तीन सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और राष्ट्रीय सामर्थ्य का बोध कराया। इसी दिन स्वदेशी विमान 'हंस-3' ने सफल उड़ान भरी, तो स्वदेशी 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण भी हुआ। तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। प्रदेश सरकार इसी मंत्र पर आगे बढ़ रही है।

ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फ्रॉम होम, सीएम योगी की अहम बैठक

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में अहम बैठक चल रही है, जिसमें प्रदेश में ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था पर चर्चा हो रही है. प्रधानमंत्री की अपील के बाद सरकार संभावित परिस्थितियों को देखते हुए नई व्यवस्थाओं पर मंथन कर रही है। हाल ही में पीएम मोदी ने वर्क फ्रॉम होम और डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया।

बिहार में सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी

डीए-2 प्रतिशत बढ़ा करीब 9 लाख लोगों को होगा फायदा

अमन लेखनी समाचार/नई दिल्ली,

बिहार में सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है. उनकी तनख्वाह जल्द बढ़ने वाली है। सरकार ने 2 प्रतिशत डीए बढ़ा दिया है। ये बड़ा फैसला सम्राट कैबिनेट की बैठक में लिया गया। बता दें कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सम्राट कैबिनेट की ये पहली बैठक थी, जिसमें सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिला है।

बैठक में 18 एजेंडो पर मुहर लगाई गई, जिनमें डीए बढ़ाने का फैसला भी शामिल है. बिहार में सरकारी कर्मचारियों का डीए 58 फीसदी से बढ़ाकर 60 फीसदी कर दिया है. सम्राट कैबिनेट ने इसे मंजूरी दे दी है. सरकार के इस फैसले से करीब 9 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को सीधा फायदा पहुंचेगा।

बिहार के सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन और पेंशन पा रहे बिहार के सरकारी कर्मचारियों और पेंशन भोगियों को 1 जनवरी 2026 के प्रभाव से अब 58% की जगह पर 60% डीए मिलेगा।

वहीं छठे वेतन आयोग में वेतन, पेंशन पा रहे राज्य सरकार के सरकारी कर्मचारियों और पेंशन भोगियों को 1 जनवरी 2026 के प्रभाव से अब 257 प्रतिशत की जगह पर 262 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा।

पांचवें वेतन आयोग के तहत सैलरी और पेंशन पा रहे राज्य सरकार के सरकारी कर्मचारियों और पेंशन भोगियों को 1 जनवरी 2026 के प्रभाव से 474 प्रतिशत की जगह पर 483 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा।

1 जनवरी 2026 से प्रभावी डीए

राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) बढ़ा दिया गया है। 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। सरकार ने कहा कि महंगाई भत्ते में वृद्धि का मकसद कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की क्रय शक्ति को बनाए रखना है।

ईशा-मीशा, अंजुल-पीयूष व गोविंद -रोशनी की जोड़ी ने मोहा मन

- राग मेघ और तीन ताल में निबद्ध 'बादल रे अरज गरज....' बंदिश में भाव पक्ष और अभिनय को जीते हुए वातावरण को बना दिया भावपूर्ण

अमन लेखनी समाचार

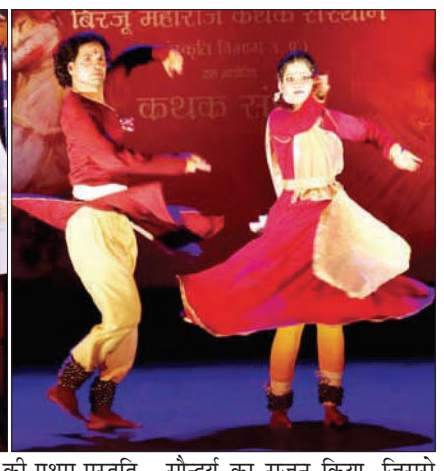

लखनऊ। राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में बुधवार की शाम बिरजू महाराज कथक संस्थान द्वारा आयोजित कथक संध्या शृंखला के अंतर्गत युगल नृत्यांजलि कार्यक्रम में तीन कथक जोड़ियां मंच पर थीं।

गुरु अर्जुन मिश्र व सुरभि सिंह की शिष्या द्वय रतन सिस्टर्स ईशा और मीशा रतन की जीवंत संगीत भरी प्रस्तुति का आरंभ रुद्राष्टकम से हुआ। फिर तीन ताल में पारंपरिक कथक का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समापन राग मेघ और तीन ताल में निबद्ध 'बादल रे अरज गरज....' बंदिश में भाव पक्ष और अभिनय को जीते हुए वातावरण को अत्यंत भावपूर्ण बना दिया। इस प्रस्तुति में तबले पर राजीव शुक्ला, सारंगी पर मनीष तथा हारमोनियम पर गायन कर रहे आरिफ ने उम्दा संगत की। पढ़ंत और मार्गदर्शन सुरभि सिंह का रहा।

इससे पहले अंजुल बाजपेई एवं पीयूष पाण्डेय ने डमरू हरकर बाजे रचना से भगवान शिव की आराधना करते हुए परम्परागत तीनताल पर आधारित शुद्ध नृत्य का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम काझं समापन बादल गरज नवघोर रचना से किया गया। यहां लयकारी एवं भावाभिव्यक्ति विशेष आकर्षण रही।

सम्पूर्ण कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी साधना, तालबद्धता एवं भावाभिव्यक्ति से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति गोविंद चौधरी एवं रोशनी प्रसाद द्वारा दी गई। उन्होंने नमामी शमीशाम स्तुति से आरंभ करते हुए भगवान शिव को समर्पित भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने 15 मात्रा की जटिल पंचम सवारी ताल में अपनी तकनीकी दक्षता का परिचय दिया।

समापन में श्री राधे रानी की प्रस्तुति के माध्यम से राधा-कृष्ण की मधुर छेड़छाड़ का सजीव एवं मनोहारी चित्रण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। कलाकारों के बीच सामंजस्य, संवाद और तालमेल ने मंच पर एक अद्वितीय सौन्दर्य का सृजन किया, जिससे दर्शको को कथक की नृत्य-शैली का एक अलग और आकर्षक आयाम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन बतौर मुख्य अतिथि डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह व संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर ने किया। संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ.मिथिलेश तिवारी तथा संस्थान की सदस्य सुरभि सिंह भी उपस्थित रहीं। मंच संचालन देवेंद्र सिंह जी द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया।

भातखण्डे संस्कृति विवि में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ झ्र शास्त्रीय संगीत के विविध पाठ्यक्रमों में आवेदन आमंत्रित भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं—गायन, वादन एवं नृत्य—के अंतर्गत संचालित विविध पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक (बी.पी.ए.) एवं परास्नातक (एम.पी.ए.) पाठ्यक्रमों के साथ-साथ प्रवेशिका से पारंगत स्तर तक डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कोर्स के विभिन्न विषयों में प्रवेश प्रदान किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध एवं गौरवशाली परंपरा में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपने कला-कौशल को परिष्कृत कर भविष्य में उत्कृष्ट कलाकार, शोधार्थी एवं विद्वान के रूप में स्थापित हो सकें।

प्रवेश के लिए आवेदन समर्थ पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bhatkhandeuniversityadm.samarth.edu.in पर ऑनलाइन किए जा सकते हैं। प्रवेश से संबंधित अन्य समस्त जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bhatkhandeuniversity.ac.in पर उपलब्ध है।

श्री श्री रविशंकर के जन्मोत्सव पर दिखा ध्यान और ज्ञान का संगम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक और वैश्विक आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव के अवसर पर बुधवार को राजधानी के कैसरबाग स्थित गांधी भवन ऑडिटोरियम में 'दिव्य गान, ध्यान और ज्ञान' का एक अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उमड़े भक्तों और साधकों ने सामूहिक प्रार्थना और सेवा के संकल्प के साथ गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

इस उत्सव का मुख्य आकर्षण विश्व प्रसिद्ध भजन गायिका चित्रा राय की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति रही। जैसे ही उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में रमेरे सतगुरु की छवि ऐसी है, मोहे लागे मोहन जैसी है गाना शुरू किया, पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट और जयकारों से गूंज उठा। संगीत की इस दिव्य धारा में भक्त झूमने पर मजबूर हो गए। वहीं, जब उन्होंने मेरा मुझमें कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा जैसे भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए, तो उपस्थित जनसमूह भाव-विभोर हो गया और वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक शांति में डूब गया।

सामूहिक ध्यान और गुरुदेव का सानिध्य : सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद आर्ट ऑफ लिविंग के बेंगलुरु स्थित अंतरराष्ट्रीय केंद्र से गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के विशेष ध्यान सत्र का सीधा प्रसारण किया गया। गांधी भवन में उपस्थित हजारों साधकों ने एक साथ गहरे मौन और ध्यान का अनुभव किया। यह क्षण केवल एक जन्मोत्सव मात्र नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, करुणा और सामूहिक चेतना के जागरण का उत्सव प्रतीत हो रहा था। इस भव्य आयोजन में शहर के प्रबुद्ध नागरिक, आध्यात्मिक साधक और आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में आर्ट ऑफ लिविंग के एपेक्स मेंबर्स और वरिष्ठ शिक्षकों (फैकल्टी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनमें प्रमुख रूप से समर्थ नारायण, तनुज नारायण, नमिता उपाध्याय, नीरू शर्मा, अंजलि सेठ, पूनम जैन, अर्चना सतीश, योगेश शर्मा, अनिकेत जोशी, राजीव पाठक, मनीष गुप्ता, पवन, शिवम, शेष गुप्ता, सीमा मोदी, अर्पण, गौरव सिंह, विशाल पांडेय, अतुल भटनागर, मीता गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ साधक गण शामिल रहे।

उत्सव का समापन महाआरती और विशेष प्रसाद वितरण के साथ हुआ। उपस्थित जनों ने गुरुदेव के 'तनाव मुक्त और हिंसा मुक्त समाज' के सपने को साकार करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गुरुदेव के जन्मदिन की बधाई दी।

पैमाईश टीम पर मधुमक्खियों का हमला, कानूनगो व लेखपाल घायल

मधुमक्खियों के हमले से बचने को गाड़ियों में छिपी राजस्व टीम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के कैथुलिया गांव में वन विभाग की भूमि की पैमाईश के दौरान मंगलवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मधुमक्खियों के झुंड ने राजस्व, वन विभाग और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर मौजूद अधिकारियों और ग्रामीणों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कई लोगों ने जंगल की ओर भागकर जान बचाई, जबकि कुछ लोग पास में खड़ी गाड़ियों में छिप गए।

घटना में कानूनगो जसवंत कुमार और लेखपाल जय प्रकाश मधुमक्खियों के काटने से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार दिया गया।

जानकारी के अनुसार, कोर्ट के आदेश और किसान यूनियन की शिकायत के आधार पर मंगलवार शाम राजस्व विभाग, मलिहाबाद रेंज वन विभाग तथा पुलिस की संयुक्त टीम कैथुलिया गांव में वन विभाग की जमीन की पैमाईश कराने पहुंची थी। पैमाईश का कार्य चल रहा था और टीम जंगल के किनारे सड़क की ओर बढ़ रही थी, तभी अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला बोल दिया।

कानूनगो जसवंत कुमार ने बताया कि मधुमक्खियों के हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यदि पास में वाहन खड़े न होते तो कई लोग गंभीर रूप से घायल हो सकते थे। टीम के सदस्य और ग्रामीण किसी तरह सुरक्षित स्थानों पर पहुंचकर खुद को बचाने में सफल रहे।

कार की टक्कर से बाइक सवार बेटी समेत दंपति घायल

हादसा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद फ्लाईओवर के निकट बुधवार शाम लखनऊ-हरदोई हाईवे पर तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दम्पत्ति और उनकी छह वर्षीय बेटी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार काकोरी के मंडौली निवासी फखरुद्दीन अपनी पत्नी जेबा और छह वर्षीय बेटी तूबा के साथ बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान संडीला की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

घटना के बाद राहगीरों की मदद से

अस्पताल में घायल जेबा – फोटो

घायलों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल जेबा को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वहीं फखरुद्दीन हेलमेट पहने हुए थे, जिससे उनकी जान बच गई। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी के माध्यम से टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतीक यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने अपने शोक संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री मुलायम सिंह यादव के पुत्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहन करने की शक्ति दें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

श्री बांके बिहारी जी के दर्शन कर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/मथुरा । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज भगवान श्रीकृष्ण की पावन नगरी मथुरा में स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मन्दिर में दिव्य दर्शन एवं पूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भगवान श्री बांके बिहारी जी की कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर बनी रहे तथा प्रदेश निरंतर सुख, शांति, समृद्धि एवं विकास के पथ पर अग्रसर हो। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से सभी नागरिकों के सर्वकल्याण एवं खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्री बांके बिहारी जी के दर्शन से आत्मिक शांति एवं ऊर्जा की अनुभूति होती है।

गोमती समेत कई छोटी नदियों का पुनरुद्धार शुरू

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार 'एक जिला-एक उत्पाद' की वैश्विक सफलता के बाद अब 'एक जिला-एक नदी' अभियान के जरिए जल संरक्षण और पर्यावरण पुनरुद्धार की नई इबारत लिख रही है। इसके जरिए नदियों को साफ करने, विलुप्त हो चुकी जलधाराओं को पुनर्जीवित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया जा रहा है। स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने कई विभागों के साथ मिलकर प्रदेशभर में छोटी नदियों के पुनरुद्धार के लिए परिवर्तनकारी पहल की है। पीलीभीत में 16 ग्राम पंचायतों में फैली 47 किलोमीटर के क्षेत्र में गोमती नदी का पुनरुद्धार किया गया। कई जगहों पर नहर को चौड़ा व गहरा किया गया। साथ ही 23 तालाबों का जीर्णोद्धार करने और घाटों के निर्माण के माध्यम से नदी ने अपना निरंतर प्रवाह फिर से प्राप्त कर लिया है। इससे 1,53,000 से अधिक मानव-दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जबकि 500 से अधिक किसानों ने प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाया। घाटों पर शाम की आरती और योग सत्रों ने गोमती को एक पवित्र और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में पुनः स्थापित किया है।

गोमती में कूदा युवक, मौत

रातभर चला सर्च ऑपरेशन, सुबह एसडीआरएफ ने बरामद किया शव

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। गोमतीनगर क्षेत्र स्थित गांधी सेतु पुल से मंगलवार देर रात एक युवक ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कराई, लेकिन अंधेरा अधिक होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। बुधवार सुबह दोबारा शुरू हुए सर्च ऑपरेशन में युवक का शव नदी से बरामद कर लिया गया। गोमतीनगर इंस्पेक्टर बृजेश चन्द्र तिवारी ने बताया कि मृतक की पहचान थाना पीजीआई क्षेत्र के तेलीबाग स्थित कुबेर बगिया निवासी 25 वर्षीय ऋषभ यादव पुत्र मुन्ना यादव के रूप में हुई है। वह मंगलवार रात अपने दो दोस्तों के साथ गोमती नदी किनारे टहलने गया था। इसी दौरान 1090 चौराहे के पास स्थित गांधी सेतु पुल पर पहुंचकर उसने अचानक नदी में छलांग लगा दी। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि ऋषभ मोबाइल पर किसी से बात करते हुए टहल रहा था। अचानक उसने पुल से छलांग लगा दी। इससे पहले कि दोनों दोस्त कुछ समझ पाते, वह नदी में डूब गया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। देर रात तक गोताखोरों की मदद से तलाश जारी रही, लेकिन अंधेरा अधिक होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। बुधवार सुबह दोबारा शुरू किए गए सर्च ऑपरेशन में युवक का शव बरामद कर लिया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरूआती जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। परिजनों की ओर से फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी गई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

वीबी-जीरामजी अधिनियम 2025 से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई दिशा : केशव प्रसाद मौर्य

अब हर ग्रामीण परिवार को मिलेगा 125 दिन का गारंटीकृत रोजगार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है विकसित भारतझजी राम जी अधिनियम, 2025 ग्रामीण विकास को सहभागी, समावेशी और आवश्यकता-आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अंतर्गत विकास कार्य केवल केंद्र स्तर से निर्धारित नहीं होंगे, बल्कि ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत की सक्रिय सहभागिता से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का चयन और निर्धारण किया जाएगा। गांव की जरूरतों, प्राथमिकताओं और जनभागीदारी को केंद्र में रखकर तैयार की जाने वाली विकास योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामकारी बदलाव सुनिश्चित करेंगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार, आजीविका, आधारभूत सुविधाओं और जनकल्याण से जुड़े

कार्यों को नई गति मिलेगी। विकसित भारत- रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन(वीबी - जीरामजी)अधिनियम 1 जुलाई से लागू हो जाएगा ।नए अधिनियम में एक नया ढांचा होगा, जो ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक मजदूरी वाले रोजगार की गारंटी देता है। उपमुख्यमंत्री ने इसे ग्रामीण विकास संरचना में ऐतिहासिक परिवर्तन बताया है। उन्होंने बताया कि नये अधिनियम के तहत हर ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन के गारंटीकृत मजदूरी रोजगार का अधिकार मिलेगा। यह मनरेगा के तहत 100 दिन है। इसमें कामों की चार श्रेणियां हैं,-जल सुरक्षा परियोजनाएं, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका से संबंधित बुनियादी ढांचा और मौसम की अत्यधिक मार से बचाव के काम। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा से नए ढांचे में बदलाव की वजह से श्रमिकों को कोई परेशानी नहीं होगी।मौजूदा मनरेगा कार्य जारी रहेंगे, उन्हें नए ढांचे में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। मौजूदा जॉब कार्ड उनके लिए अस्थाई रूप से मान्य रहेंगे, जिनका ई - केवाईसी पहले ही पूरा हो चुका है। लंबित ई- केवाईसी के कारण श्रमिकों को रोजगार से वंचित नहीं किया जाएगा।

सड़क पर बह रहा पानी, प्रधान बने मूक दर्शक

अमन लेखनी समाचार/संवाददाता
शुभम सिंह चौहान

लखनऊ । बंथरा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गाँव से बरकोता गाँव की ओर जाने वाली सड़क पर जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। पानी निकासी का कोई उचित रास्ता न होने के कारण सड़क पर हमेशा पानी भरा रहता है। इस जलभराव की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। कभी कोई वाहन पलट जाता है तो कभी राहगीर गिरकर चोटिल हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस रास्ते से कई बड़े नेता और गाँव के प्रधान भी गुजरते हैं, लेकिन समस्या की ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम प्रधान से कई बार इस समस्या को लेकर शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। लोगों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो जिम्मेदारों को इस समस्या की कोई जानकारी ही नहीं है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द पानी निकासी की व्यवस्था कर सड़क को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

डिप्टी सीएम समेत कई मंत्रियों ने गाड़ियों की संख्या घटाई

संसाधन बचाने के लिए वर्चुअल बैठकें, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। वैश्विक परिस्थितियों और संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपील का असर उत्तर प्रदेश सरकार में दिखाई देने लगा है। बुधवार से कई मंत्रियों ने अपनी फ्लीट कम कर दी है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को अपने साथ चलने वाली गाड़ियों की संख्या आधी करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

वहीं, मत्स्य मंत्री डा. संजय निषाद ने भी अपना काफिला घटा दिया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने दौरे भी फिलहाल सीमित कर दिए हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने अपने साथ चलने वाली चार गाड़ियों में से दो गाड़ियां हटाने का निर्णय लिया है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने भी अपनी फ्लीट का एक वाहन कम कर दिया है। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक सादगी और संसाधनों की बचत से जोड़कर देखा जा रहा है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है। उन्होंने अधिकतर बैठकें और कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वर्क फ्राम होम और वर्चुअल मीटिंग से ईंधन के साथ समय और संसाधनों की भी बचत होगी।

प्रदेश में स्टांप तथा पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने वाहनों की संख्या को सीमित करते हुए केवल एक एस्कॉर्ट वाहन का उपयोग करने का निर्णय लिया है। रवींद्र जायसवाल ने आज बनारस से जौनपुर, प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर और बाराबंकी होते हुए लखनऊ पहुंचने के दौरान इन सभी पांचों जिलों के प्रशासन की ओर से बॉर्डर-टू-बॉर्डर सुरक्षा प्रदान करने वाले वाहनों के बड़े काफिले को साथ लेकर चलने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि इससे ईंधन की पर्याप्त बचत होगी तथा पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। वहीं, उत्तर प्रदेश विधान सभा की विभिन्न संसदीय समितियों के पूर्व निर्धारित अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम भी अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दिए गए हैं।

विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के निर्देश पर प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने बुधवार को इसके आदेश जारी कर दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने संसदीय समितियों के अध्ययन भ्रमण किये स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के निर्देश पर विधानसभा की विभिन्न संसदीय समितियों के पूर्व निर्धारित अध्ययन भ्रमण कार्यक्रमों को अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मई को की गई अपील के मद्देनजर लिया गया है। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी कार्यालय-ज्ञाप के अनुसार, देशहित एवं वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए संसदीय समितियों के सभी अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का सम्मान करते हुए विधानसभा की ओर से यह निर्णय लिया गया है, ताकि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप सभी संसाधनों एवं व्यवस्थाओं का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रहित के प्रत्येक आह्वान में सहभागी बनें और परिस्थितियों के अनुरूप संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का परिचय दें। विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।

- **प्रधानमंत्री मोदी की अपील के मद्देनजर लिया गया निर्णय**

खरीफ फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ने से किसानों में खुशी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केंद्र सरकार की ओर से खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में की गई वृद्धि का स्वागत किया है। उन्होंने प्रदेश के समस्त किसानों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय किसानों की आर्थिक समृद्धि की दिशा में एक बड़ा कदम है। कृषि मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि समर्थन मूल्य में इस ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी से प्रदेश के किसानों की आय में भारी वृद्धि होगी और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा।

विभागीय आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2026-27 के लिए घोषित समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। सामान्य श्रेणी के धान का समर्थन मूल्य अब 2,441 रुपये प्रति कुंतल हो गया है, जो वर्ष 2013-14 की तुलना में 1,131 रुपये अधिक है। इसी प्रकार ग्रेड-ए धान के मूल्य में 1,116 रुपये की वृद्धि के साथ इसे 2,461 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है।

मोटे अनाजों में ज्वार (हाइब्रिड) के मूल्य में वर्ष 2013-14 के मुकाबले 2,523 रुपये की वृद्धि करते हुए इसे 4,023 रुपये प्रति कुंतल किया गया है। बाजरा 2,775 रुपये और मक्का 2,410 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। रागी के मूल्य में 3,705 रुपये की बड़ी वृद्धि के साथ अब यह 4,886 रुपये प्रति कुंतल हो गया है। दलहन और तिलहन फसलों के मूल्यों में भी केंद्र सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया गया है। अरहर (तुअर) के मूल्य में 4,150 रुपये की भारी वृद्धि की गई है, जिससे इसका नया मूल्य 8,450 रुपये प्रति कुंतल हो गया है। मूँग 8,780 रुपये और उर्द 8,200 रुपये प्रति कुंतल की दर से खरीदे जाएंगे।

तिल के समर्थन मूल्य में 5,846 रुपये की रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी के साथ इसे 10,346 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। सूरजमुखी के मूल्य में 4,643 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे इसका नया भाव 8,343 रुपये प्रति कुंतल होगा। सोयाबीन और मूँगफली के दाम क्रमशः 5,708 रुपये और 7,517 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किए गए हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह समर्पित है।

एकेटीयू की कार्य परिषद की बैठक में लिए गये महत्वपूर्ण फैसले

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में 55वीं कार्य परिषद् की बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहयुक्त संस्थान राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, मिजार्पुर, बस्ती, गोंडा एवं प्रतापगढ़ के शैक्षणिक पद सह-आचार्य एवं आचार्य पदों पर हुई भर्ती प्रक्रिया में चयनित हुए अभ्यर्थी के नामों पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय के घटक संस्थान आईईटी, लखनऊ, सीएएस, लखनऊ, एफओएपी, लखनऊ एवं यूपीआईडी, नोएडा के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों पर चयन एवं प्रोन्नति पर चयन समिति की संस्तुतियों पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, मिजार्पुर, बस्ती, गोंडा एवं प्रतापगढ़ के ऑडीटोरियम के निर्माण हेतु निर्माण एजेंसी की चयन को हरी झंडी प्रदान की गयी। साथ ही कानपुर इंस्टीटयूट ऑफ टे क्नोलॉजी, कानपुर, एक्यूरेट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ग्रेटर नोएडा एवं अन्य के शैक्षिक स्वायत्ता के प्रकरण पर विचार कर अग्रिम कार्यवाही के लिए संस्तुति की गयी। कार्य परिषद् द्वारा विद्या परिषद्, वित्त समिति, कैब और पीएमयू के कार्यवृत्त पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

स्वदेशी उन्नत गोवंश से समृद्ध उत्तर प्रदेश बना रही सरकार

14 मई को आगरा में होगा समागम, किसान, निवेशक, गोपालक, दुग्ध उत्पादक, उद्यमी होंगे शामिल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार स्वदेशी उन्नत गोवंश से समृद्ध उत्तर प्रदेश का निर्माण कर रही है। दुग्ध विकास विभाग ह्यस्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागमह्ल का आयोजन कर निवेशकों, लाभार्थियों, पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों व उद्यमियों आदि से संवाद स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में 14 मई को आगरा के आरबीएस कॉलेज के राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम में आगरा व अलीगढ़ मंडल के पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों व उद्यमियों से संवाद होगा। यह कॉन्क्लेव यूपी में डेयरी क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देने का अभियान है। समागम का शुभारंभ पशुधन, दुग्ध विकास व राजनैतिक पेंशन मंत्री धर्मपाल सिंह करेंगे।

- **दुग्ध विकास विभाग को प्राप्त हुए पांच हजार करोड़ निवेश प्रस्ताव**

समागम का उद्देश्य दुग्ध विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे होने पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देना है। 'स्वदेशी उन्नत गोवंश, समृद्ध निवेश, सुरक्षित भविष्य खुशहाल उत्तर प्रदेश' थीम पर आधारित इस आयोजन में आगरा- अलीगढ़ मंडल के किसान, पशुपालक, निवेशक आदि एक मंच पर जुटेंगे। समागम में स्वदेशी गायों की उन्नत प्रजातियों, गोपालन से जुड़े क्षेत्रों में निवेश के अवसरों, किसानों-गोपालकों के सुरक्षित भविष्य और इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलने वाले बल पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। आगरा में प्रस्तावित समागम में किसान, गोपालक, दुग्ध उत्पादक, उद्यमी व निवेशक आदि मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री स्वदेशी गोसंवर्धन योजना की लाभार्थी पशुपालकों को अपनी सफलता की कहानी से अवगत कराएंगी। निवेशक व उद्यमी यहां डेयरी प्लांट, गोशाला, बायोगैस आदि के क्षेत्र में अपनी संभावनाएं तलाशेंगे। वहीं दुग्ध उत्पादक भी सरकार की योजनाओं से जीवन में आए बदलाव के जरिए अन्य पशुपालकों को प्रेरित करेंगे। दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दुग्ध विकास विभाग को अब तक लगभग 28 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें से आगरा व अलीगढ़ मंडल से ही पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत दोनों मंडलों के 762 लाभार्थियों को 500 लाख रुपये से अधिक की अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। दुग्ध आयुक्त के मुताबिक प्रदेश के सभी मंडलों में 'स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम' का आयोजन होगा। 14 मई को आगरा व अलीगढ़ मंडल में यह आयोजन होगा। इसके बाद जून में मुरादाबाद-बरेली मंडल, जुलाई में लखनऊ मंडल, अगस्त में अयोध्या-देवीपाटन मंडल, सितंबर में कानपुर-झांसी मंडल, अक्टूबर में गोरखपुर-बस्ती मंडल, नवंबर में प्रयागराज-चित्रकूट तथा दिसंबर में वाराणसी, आजमगढ़ व विंध्याचल मंडल में यह समागम प्रस्तावित है।

समान विचारधारा के लोगों को अपने साथ जोड़ेगी कांग्रेस : संदीप दीक्षित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय नेहरू भवन में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि रचनात्मक कांग्रेस विभाग समान विचारधारा रखने वाले कांग्रेस के बाहर के सामाजिक संगठनों, समुदायों और आंदोलन संगठनों को जोड़ने का काम करेगा।

रचनात्मक कांग्रेस विभाग आगामी विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस इंडिया गठबंधन को जिताने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रेस वार्ता में पूर्व सांसद और रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप दीक्षित के साथ प्रमुख रूप से वार रूम प्रभारी संजय दीक्षित, मीडिया वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी, वरिष्ठ प्रवक्ता अंशू अवस्थी, प्रवक्ता अलीमुल्लाह खान और प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता उपस्थित रही।

संदीप दीक्षित ने रचनात्मक कांग्रेस की वर्तमान समय में आवश्यकता और कांग्रेस के बाहर के संगठनों, समुदायों, आंदोलन संगठनों के जोड़ने पर विस्तार से बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव देश के तमाम अलग-अलग संगठनों समुदायों और संविधान की प्रति विचारधारा रखने वालों के साथ जुड़ाव रखती रही है, सरकार में रहते हुए हमने जब भी नीतियां बनाई तो सभी संगठनों समुदायों से राय- मशविरा किया है, वही काम कांग्रेस पार्टी विपक्ष में रहकर भी कर रही है जिसका काम रचनात्मक कांग्रेस के तहत मुख्य रूप से लोगों को जोड़ने का होगा। संदीप दीक्षित ने कहा कि समाज के अलग-अलग वर्गों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनके विचार, सुझाव एवं अनुभव सुने।

संक्षेप

वांछित आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बांगरमऊ, उन्नाव। दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर बैंक से धनराशि हड़पने के मामले में वांछित अभियुक्त को बेहटा मुजावर द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पीड़ित केशना पत्नी जसकरण सिंह निवासी धुरंधरखेड़ा थाना बेहटा मुजावर द्वारा पूर्व में पुलिस को तहरीर देकर धोखाधड़ी कर कर रुपए आहरित करने का आरोप लगाया था जिसकी रिपोर्ट दर्ज कर थाना पुलिस कार्यवाही में जुटी हुई थी पुलिस जांच पड़ताल के बाद थाने के उपनिरीक्षक नेम सिंह ने हमराह पुलिस के साथ अभियुक्त अयोध्या प्रसाद पुत्र माधव निवासी ब्यौली इस्लामाबाद को बेहटा मुजावर चौराहे से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

स्मार्ट मीटर से बढ़ी उपभोक्ताओं की मुश्किलें, आंदोलन की चेतावनी

उन्नाव। नवाबगंज क्षेत्र में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर अब उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि रिचार्ज कराने के बाद भी कई बार बिजली आपूर्ति शुरू नहीं होती, जिससे उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल भी पहले की अपेक्षा अधिक आ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उपभोक्ताओं ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है।अजगैन उपकेंद्र पर भी उपभोक्ताओं को संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। उनका आरोप है कि वहां न तो शिकायतों की सही सुनवाई होती है और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई की जाती है।लगातार बढ़ती समस्याओं से नाराज उपभोक्ताओं ने अब बड़े आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराया जाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की हुई मौत

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया हैथाना क्षेत्र के कस्बा भगवंतनगर के वार्ड नं 4 निवासिनी नेहा पत्नी मनोज कुमार 26 वर्ष की बुधवार शाम हालत बिगड़ गयी। परिजन जब तक कुछ कर पाते उसकी मौत हो गयी। मोहल्लेवाले के अनुसार उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। विवाहिता की शादी को आठ वर्ष हो चुके है। दिवंगता का मायका कथिकहा जिला रायबरेली में है। दिवंगत के कोई संतान न होने से परिवार में अनबन रहती थी। मौके पर पहुँचे थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया परिजनों ने अभी कोई तहरीर नही दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपरान्त मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा। घर मे ससुर राजेन्द्र प्रसाद, सास गिरिजा व ननद कुंती इस हादसे से बेहाल हो गयी है। सास बार बार बेहोश हुए जा रही है।

जनता की चौखट पर पुलिसः एसएसपी ने जनसुनवाई में सुनीं फरियादें, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील बनाने की दिशा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जय प्रकाश सिंह लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। बुधवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को एसएसपी ने गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल एवं निष्पक्ष कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान जमीन विवाद, मारपीट, पारिवारिक कलह, उत्पीड़न, अवैध कब्जा एवं अन्य मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। प्रत्येक शिकायत पर ररढ ने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तय समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ितों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। SSP जय प्रकाश सिंह ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास कायम रखना प्राथमिकता है तथा प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनना और उसका समाधान कराना पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और लंबित मामलों में तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित हो।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्री शैलेन्द्र लाल, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्री अखिलेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी लाइन श्रीमती विनी सिंह भी मौजूद रहीं। अधिकारियों ने फरियादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

जनसुनवाई के दौरान पुलिस कार्यालय परिसर में फरियादियों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। कई लोगों ने अपनी शिकायतों पर त्वरित सुनवाई होने पर संतोष भी व्यक्त किया। पुलिस प्रशासन की इस पहल को आमजन के बीच भरोसा मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जिलाधिकारी ने की फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा, धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में फार्मर रजिस्ट्री की ऑनलाइन समीक्षा बैठक कर तहसीलवार प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा के दौरान उन्होंने उपजिलाधिकारियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से लक्ष्य के सापेक्ष कार्यों की जानकारी ली।

फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि लगातार निर्देश दिए जाने के बावजूद कार्य में सुधार नहीं हो रहा है, जो गंभीर लापरवाही को दर्शाता है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल फार्मर रजिस्ट्री अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन सुबह क्षेत्र में निकलकर कार्य की निगरानी करें तथा दोपहर तक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

उन्होंने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि लेखपालों एवं बीडीओ को लगाकर कार्य में तेजी लाई जाए तथा सुबह-शाम समीक्षा कर प्रगति सुनिश्चित की जाए। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों को रणनीति एवं कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि अंश निर्धारण के कारण भी फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति प्रभावित हो रही है, इसलिए इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आंकड़ों में निरंतर वृद्धि दिखाई देनी चाहिए, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अमिताभ यादव, उपजिलाधिकारी आनंद नायक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इंडियन ओवरसीज बैंक शाखा प्रबंधक की कार पर पेड़ गिरा, वाहन क्षतिग्रस्त!

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। चकलवंशी में बैंक कर्मी की कार पर गिरा पेड़, तेज आंधी और खराब मौसम के चलते एक बड़ा पेड़ गिरने से Indian Overseas Bank के शाखा प्रबंधक की कार क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के समय वाहन बैंक परिसर/सड़क किनारे खड़ा था। अचानक पेड़ गिरने से कार का आगे का हिस्सा बुरी तरह छति ग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय वाहन में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पुराने और जर्जर पेड़ों की समय रहते छंटाई कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

बदला मौसम तेज आंधी पानी के साथ कई स्थानों पर गिरे ओले

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बुधवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे, लेकिन दोपहर बाद हुए बदलाव ने बड़ी राहत दी। आसमान में घने बादल छाने के बाद कई क्षेत्रों में तेज बारिश हुई, वहीं मियागंज और आसीवन क्षेत्र में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी दर्ज की गई। मौसम बदलने से तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली। बुधवार सुबह से ही जिले में तेज धूप के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा था। गर्म हवाओं और उमस के चलते लोग घरों से निकलने में कठिनाई महसूस कर रहे थे। दोपहर तक सड़कें सूनी नजर आने लगी थीं और बाजारों में भी भीड़ कम थी। हालांकि, दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं के साथ आसमान में काले बादल छा गए और कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। मियागंज और आसीवन क्षेत्र में बारिश का असर सबसे अधिक रहा। यहां पहले तेज हवाएं चलीं और फिर मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के कुछ देर बाद ओले गिरने लगे, जिससे खेतों और सड़कों पर सफेद परत जम गई। लगातार तेज गर्मी के बाद हुई इस ओलावृष्टि से लोग आश्चर्यचकित थे। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश और हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। बारिश के बाद लोगों ने घरों की छतों और सड़कों पर निकलकर ठंडी हवा का आनंद लिया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश का असर देखने को मिला। किसानों ने बताया कि गर्मी के कारण फसलों और सब्जियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था, लेकिन बारिश से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, कुछ किसानों ने ओलावृष्टि को लेकर चिंता जताई, क्योंकि इससे तरबूज, खरबूज और सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित हो रहा था, जिससे अब कुछ राहत मिली है।

पचास से कम मवेशी वाले गौशाला किए जा रहे बंद

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज अन्ना मवेशियों से किसानों की हरी भरी फसलों को बचाने के लिए लाखों खर्च कर गांवों में बनवाए गए गौ शालाओं पर ग्रहण लगने लगा है। पचास मवेशियों से कम पाई जाने वाली गौ शालाओं को बंद कर उसके जानवर पड़ोसी गांवों में संबंध किए जा रहे है।गांव का गौ आश्रय स्थल बंद होने से अन्नदाताओं में नाराजगी व्याप्त है। किसानों की फसलों को अन्ना मवेशियों से बचाने के लिए शासन द्वारा करोड़ों खर्च कर गौ आश्रय स्थल बनवाए गए थे जिससे किसानों को काफी राहत मिली थी लेकिन जिलाधिकारी के आदेश पर अब 50 से कम मवेशियों वाले इन आश्रय स्थलों को बंद करने का आदेश आ ही किसानों की खुशियों में ग्रहण लगने लगा है।बुधवार को विकास खंड सिकंदरपुर कर्ण के ग्राम पचोंडडा में एक दशक से संचालित गौ शाला को अचानक बंद कर दिया गया।यहां बंद 28 गायों में से 20 सिकंदरपुर कर्ण और 8 को बेथर भेज दिया गया।गौ शाला बंद होने से गांव के जितेंद्र शुक्ला, विनोद यादव, स्थोले शुक्ला,सुरेश चंद्र ,आदि ने नाराजगी व्याप्त की है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी फहद खान ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर 50 से कम मवेशियों वाली क्षेत्र की पांच गौ आश्रय स्थलों को बंद कर उनके मवेशी पड़ोसी गांव के गौ शालाओं में संबंध किए जा रहे है।

दोस्त के साथ शारदा नगर नहाने गए किशोर की पानी में डूबने से मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह दोस्त के साथ शारदा नहर नहाने गया किशोर गहरे पानी में डूब गया साथी ने बचाने का प्रयास किया लेकिन सफल नही हुआ जिस पर परिजनों को घटना की सूचना दी रोते बिलखते परिजन मौके पर और पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने खोजबीन करते हुए युवक का शव बाहर निकाला और आवश्यक कार्यवाही करते हुए पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

थाना क्षेत्र के रुपऊ गांव निवासी अशफाक पुत्र कमलुद्दीन 17 कक्षा 9 का छात्र था बुधवार को गांव निवासी दोस्त जुबैर के साथ गांव के पास स्थित शारदा नहर रुपऊ पुल के पास नहर में नहा रहा था इसी बीच वह पुल के पास गहरे पानी में डूबने लगा साथी ने बचाने का प्रयास किया लेकिन पानी का बहाव तेज होने से सफल नही हुआ तो शोर मचाया जिस पर ग्रामीणों के साथ परिजन मौके पर पहुंचे तब तक उसकी मौत हो गयी घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया मृतक तीन भाइयों के बीच सबसे बड़ा था छोटे भाई नौशाद व दिलशाद हैं मां मुस्कान बेटे की मौत से आहत है इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक का शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किशोर की मौत, दो साथी घायल

अमन लेखनी समाचार

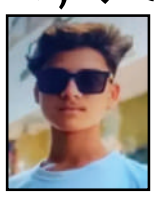

उन्नाव।गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। इस घटना में उसके दो अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान आदर्श नगर निवासी मुस्तकीम (16) पुत्र शौकत अली के रूप में हुई है। मुस्तकीम बेल्ट कारीगर का काम करता था। वह अपने दोस्त पवन शर्मा (बढ़ई) और वैभव के साथ होंडा शाइन बाइक से घूमने निकला था। देर रात मारला और सरिया रेलवे क्रॉसिंग के बीच एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने मुस्तकीम को मृत घोषित कर दिया, जबकि पवन शर्मा और वैभव का इलाज चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। मुस्तकीम अपने चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था और मेहनत-मजदूरी कर परिवार की आर्थिक मदद करता था। बेटे की मौत की खबर सुनकर मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि टक्कर मारने वाले वाहन और चालक की पहचान की जा सके। गंगाघाट पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है और तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेज आंधी में गिरे पेड़ वृद्ध व किशोर की मौत, दो घायल

अमन लेखनी समाचार

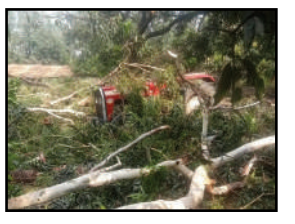

उन्नाव। बुधवार को आई तेज आंधी और बारिश ने दो लोगों की जान ले ली, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पेड़ गिरने की घटनाओं में एक बुजुर्ग किसान और एक छात्र की मौत हुई। पहली घटना दही थाना क्षेत्र के शिगुपुर गांव में हुई। यहां 70 वर्षीय राम आश्रय, पुत्र स्वर्गीय महावीर, गांव के बाहर एक आम के पेड़ के नीचे बैठे थे। अचानक तेज आंधी आने से विशाल आम का पेड़ टूटकर उन पर गिर गया। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग उन्हें संभलने का मौका नहीं दे सके। गंभीर रूप से घायल राम आश्रय की मौके पर ही मौत हो गई। वह खेती-किसानी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके दो बेटे रवि और अंजन हैं। दूसरी घटना आसीवन थाना क्षेत्र के उन्नाव-संडीला मार्ग पर स्थित मकबूल खेड़ा गांव में हुई। तेज आंधी के कारण सड़क किनारे लगा एक विशाल यूकेलिप्टस का पेड़ अचानक गिर पड़ा। इसकी चपेट में आने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। हैड्रा मशीन की मदद से पेड़ को हटवाया गया और घायलों को बाहर निकाला गया। उन्हें तत्काल मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने 9 वर्षीय अंश, पुत्र जगदीश, निवासी बाबा खेड़ा, को मृत घोषित कर दिया। अंश कक्षा चार का छात्र था। हादसे में घायल अमित, पुत्र लक्ष्मण, निवासी मकबूल खेड़ा (लगभग 30 वर्ष), और रजेपाल, पुत्र चतुरी, निवासी बरहा खुर्द (लगभग 42 वर्ष), की हालत गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

सड़क हादसे में दो सगे भाई घायल, हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सण्डीला मार्ग पर माखी थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से एक भाई को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के दावतपुर गांव निवासी मोहम्मद कमरुद्दीन (45) और मोहम्मद शमशुद्दीन (40) बुधवार दोपहर करीब एक बजे अपने छोटे भाई नसरुद्दीन की शादी के कार्ड बांटने बौनामऊ जा रहे थे। वे दोनों स्वर्गीय कल्लू के पुत्र हैं। माखी थाना क्षेत्र के उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर स्थित मेथीटीकुर गांव के पास सड़क पर बने ब्रेकर पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पीआरवी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पीआरवी वाहन से मियागंज सीएचसी ले गई। मियागंज सीएचसी में डॉक्टर दिनेश कुमार ने मोहम्मद कमरुद्दीन की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

SEIKO COLLEGE OF PHARMACY, LUCKNOW

Approved by PCI New Delhi and Affiliated to AKTU & BTE, LKO

REQUIRED : • Professor • Associate Professor • Assistant Professor

As per PCI Norms, Best Salary for Experienced Candidates

PHARMACEUTICS, / PHARMACOLOGY, / PHARMACOGNOSY, / PHARMACEUTICAL, / CHEMISTRY

Email-seikocplko@gmail.com/ seikocp.co.in/ Mobile- 9076614772

Apply within 05 days with all testimonials to the mentioned address

Village- Narayanpur, Post- Harauni, Near- Harauni Railway Station

Lucknow (UP)226401

सम्पादकीय

विजय के लिए चुनावी वादे निभाना बड़ी चुनौती

तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता से नेता बने विजय थलापति (सी. जोसेफ विजय) का उदय केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि राज्य की पारंपरिक राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। उन्होंने रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर ली। दो साल पुरानी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीतकर यह साबित कर दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक समीकरणों से आगे बढ़कर नए विकल्प तलाश रही है, लेकिन अब विजय के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता से किए गए भारी-भरकम वादों को पूरा करने की है। तमिलनाडु में पिछले कई दशकों से द्रविड़ राजनीति का दबदबा रहा है। डीएमके और एआईडीएमके जैसी पार्टियों ने राज्य की सत्ता को लगभग अपने बीच ही सीमित रखा। ऐसे में विजय का मुख्यमंत्री बनना ऐतिहासिक माना जा रहा है। हालांकि राजनीति में लोकप्रियता जितनी तेजी से मिलती है, उतनी ही तेजी से जनता उम्मीदें भी पाल लेती है। यही उम्मीदें अब विजय सरकार की सबसे कठिन परीक्षा बनने वाली हैं। टीवीके को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। सरकार बनाने के लिए कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और आईयूएमएल जैसे दलों का समर्थन लेना पड़ा। फिलहाल सरकार संख्या बल पर सुरक्षित दिखाई देती है, लेकिन गठबंधन सरकारों में स्थिरता हमेशा एक चुनौती होती है। इससे भी बड़ी चुनौती उनकी चुनावी घोषणाएं हैं। महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की सहायता, प्रत्येक परिवार को छह मुफ्त गैस सिलेंडर, गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में 8 ग्राम सोना और सिल्क साड़ी जैसी योजनाएं सुनने में आकर्षक जरूर लगती हैं, लेकिन इनके लिए भारी बजट की आवश्यकता होगी। तमिलनाडु पहले से ही घाटे और कर्ज के दबाव से गुजर रहा है। ऐसे में यदि सरकार केवल लोकलुभावन योजनाओं पर अधिक ध्यान देती है तो राज्य की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। यही कारण है कि राजनीतिक विश्लेषक विजय को केंद्र सरकार के साथ बेहतर तालमेल रखने की सलाह दे रहे हैं। उसे बुनियादी ढांचे, निवेश, सेमीकंडक्टर, रक्षा उद्योग, शिक्षा नीति और रोजगार परियोजनाओं के लिए केंद्र के सहयोग की आवश्यकता है। यदि विजय केंद्र के साथ व्यावहारिक संबंध बनाए रखते हैं तो राज्य को आर्थिक सहायता और नई परियोजनाओं का लाभ मिल सकता है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह संबंध महत्वपूर्ण होंगे। अल्पमत जैसी स्थिति में किसी भी सरकार को स्थिर बनाए रखने के लिए दिल्ली से अच्छे रिश्ते अप्रत्यक्ष रूप से मददगार साबित होते हैं। इसलिए विजय को भावनात्मक राजनीति के बजाय व्यावहारिक और संतुलित राजनीति अपनानी होगी। दूसरी तरफ, प्रशासनिक अनुभव की कमी भी विजय के सामने बड़ी चुनौती है। फिल्मों में नायक बनना और वास्तविक शासन चलाना दो अलग-अलग बातें हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कानून-व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर सरकार की कार्यशैली जल्द ही परखी जाएगी। यदि सरकार वादों को समय पर पूरा नहीं कर पाई तो जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। तमिलनाडु की जनता ने विजय को केवल अभिनेता के रूप में नहीं, बल्कि उम्मीद और बदलाव के प्रतीक के रूप में सत्ता सौंपी है, लेकिन राजनीति में असली पहचान लोकप्रियता से नहीं, बल्कि शासन क्षमता से बनती है। विजय के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती चुनावी वादों, आर्थिक संतुलन, गठबंधन की मजबूरियों और प्रशासनिक अनुभव की कमी के बीच सही रास्ता चुनने की है।

चुनावी हिंसा से कब मिलेगी मुक्ति?

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

पचहत्तर बरस पुराना भारतीय लोकतंत्र तमाम सुधारों के बावजूद आज भी चुनावी हिंसा जैसे बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा है। हाल ही में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं। लेकिन बंगाल में चुनावी नतीजे के बाद एक बार फिर से चुनावी हिंसा और अराजकता भड़क उठी। बंगाल में ममता बनर्जी की नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस 'टीएमसी' के करारी हार के बाद भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की अनेक घटनाएं हुई है। हिंसा के बीच भाजपा के शीर्ष नेता और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हिंसा में अभी तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है तथा पुलिस सहित अनेक लोग घायल हुए हैं। हिंसा के दौरान घरों और पार्टी दफ्तरों में तोड़फोड़, आगजनी तथा बमबाजी की घटनाएं हुई है। राज्य में चुनाव परिणाम के बाद हिंसा के 200 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं जिसमें 500 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारियां हुई है वहीं 1100 से अधिक लोगों को एहतियातन हिरासत में रखा गया है। बंगाल की नयी सरकार के लिए पहली प्राथमिकता इस चुनावी हिंसा पर काबू पाना होगा। हालांकि सरकार ने इस दिशा में ताबड़तोड़ प्रयास शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल देश विभाजन के बाद से ही हिंसा के लंबे दौर का गवाह रहा है। इस राज्य में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। राज्य में लोकसभा, विधानसभा से लेकर नगरीय प्रशासन और पंचायत चुनावों के दौरान हिंसा आम बात है। साल 1967 में नक्सलबाड़ी में किसानों के शोषण के विरोध में पैदा हुआ नक्सलवादी आंदोलन ने पूरे देश में हिंसा को एक नया स्वरूप दे दिया था जिससे छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्य भी प्रभावित रहे। 1971 में सिद्धार्थ शंकर रे की सरकार ने नक्सलवादी आंदोलन के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ा लेकिन इसके बाद राज्य में राजनीतिक हत्याओं और हिंसा का दौर शुरू हो गया। सत्तर के दशक में राज्य में वामपंथ की जड़ें मजबूत होने के बाद लेफ्ट पार्टियों ने चुनावी नतीजे अपने पक्ष में करने के लिए हिंसा को बढ़ावा दिया। बंगाल की सत्ता में वाम मोर्चा के काबिज होने के बाद 1977 से 2011 तक कोई भी चुनाव हिंसा मुक्त नहीं रहा बल्कि इन 34 सालों के दौरान राजनीतिक हत्याएं और झड़पें आम थी। इस दौर में सत्तारूढ़ पार्टी पर विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के आरोप लगातार लगते रहे। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1977 से 1996 तक राज्य में 28 हजार लोगों की मौत राजनीतिक हिंसा में हुई। एक अन्य जानकारी के मुताबिक 2016 से 2026 तक बंगाल में चुनावी हिंसा का ग्राफ लगातार ऊपर चढ़ा है। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में 172 मामले दर्ज हुए तो 2021 के चुनाव में बढ़कर 278 हो गई। चुनावी हिंसा में बढ़ोतरी पंचायत चुनावों में भी देखी गई।

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक पटल पर साल 1998 में ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस का उदय हुआ। साल 2011 में सत्ता में 'टीएमसी' के काबिज होने के बाद भी राज्य में राजनीतिक और चुनावी हिंसा का पैटर्न नहीं बदला बल्कि इस पार्टी ने भी राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए हिंसा को प्रोत्साहित किया। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो ममता बनर्जी की पार्टी ने विभिन्न चुनावों के दौरान और इसके बाद भी विरोधियों को धमकाने के लिए हिंसा की सारी हदें लांघ दी। टीएमसी सरकार के दौरान राज्य में घटित राजनीतिक और गैर राजनीतिक हिंसा, महिलाओं के साथ दुष्कर्म और जबरिया जमीन हथियाने की घटनाओं में सीधे तौर पर 'टीएमसी' नेताओं और कार्यकर्ताओं की संलिप्तता उजागर हुई। इधर हिंसा और अनाचार के आरोपितों को सरकार और प्रशासन द्वारा लगातार संरक्षण मिलते रहा जो राजनीति के अपराधीकरण का अदद उदाहरण है। राजनीतिक पंडितों के अनुसार बंगाल का हालिया चुनाव परिणाम 'टीएमसी' के भय, आतंक और अत्याचार का ही प्रतिकार है।

बीते दशकों में पश्चिम बंगाल के चुनावी हिंसा पर गौर करें तो साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान 15 लोग मारे गए थे। 2021 के विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद राज्य में व्यापक पैमाने पर राजनीतिक हिंसा हुई थी। इस दौरान हुई हत्या, बलात्कार, आगजनी और तोड़फोड़ ने लोकतंत्र को शर्मसार कर दिया। इस दौरान राज्य में चुनावी हिंसा के 300 मामले दर्ज किए गए। इस हिंसा में में 58 लोगों की मौत हुई थी वहीं किशोरियों और महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले भी सामने आए थे। इसी राज्य में 2023 के पंचायत चुनाव में भीषण हिंसा हुई थी जिसमें 45 लोगों की मौत हुई थी। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में 10 लोगों की मौत हुई। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट 'एसीएलईडी' के मुताबिक साल 2020 से अब तक चुनावी हिंसा के कुल घटनाओं के लगभग 35 फीसदी मामले और 51 फीसदी मौतें बंगाल में दर्ज हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान चुनावी हिंसा के कुल 2593 मामले दर्ज हुए जिसमें 904 घटनाएं अकेले बंगाल में दाखिल हुए। इसी प्रकार उक्त हिंसा में 329 लोगों की जान गई जिसमें 168 लोग बंगाल के थे। बहरहाल बंगाल में चुनावी नतीजे के बाद सत्ता हस्तांतरण के दौरान जिस पैमाने पर हिंसा हुई और पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा पद छोड़ने पर उहापोह की परिस्थितियां निर्मित की गई वह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए खतरनाक संकेत है।

अलबत्ता केवल बंगाल ही नहीं बल्कि उत्तरप्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा, असम, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में भी चुनावों के दौरान व्यापक पैमाने पर हिंसा होते रही है। लोकसभा से लेकर पंचायत चुनावों के दौरान माओवाद प्रभावित छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड और ओडिशा में नक्सलियों ने अनेक राजनीतिक हिंसा को अंजाम दिया था। इस हिंसा में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं, कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों सहित सुरक्षा बलों और मतदान दलों के सदस्यों के मारे जाने या घायल होने की घटनाएं घटित हुई है। बिलाशक देश में बढ़ रहे चुनावी और राजनीतिक हिंसा के लिए सीधे तौर पर हमारी राजनीतिक व्यवस्था ही जवाबदेह है। चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट के तमाम जतन और चिंताओं के बावजूद राजनीति में धनबल और बाहुबल का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है।

ऐनकेन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के हनक के चलते देश में धर्म और जाति आधारित वोटबैंक की राजनीति उफान पर है। विडंबना है कि अब राजनीति के निशाने पर धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्रीयता होने लगा है। हिंसा के हालिया दौर पर गौर करें तो राजनीतिक हिंसा अब केवल राजनीतिक विचारधारा का परस्पर टकराव न होकर सांप्रदायिक और जातिगत स्वरूप में सामने आने लगा है। इसका असर देश की एकता -अखंडता और सौहार्द के ताने-बाने पर दृष्टिगोचर हो रहा है।

गौरतलब है कि चुनाव को लोकतंत्र का महापर्व कहा जाता है लेकिन चुनावी हिंसा के चलते चुनावों की निष्पक्षता और स्वतंत्रता प्रभावित होती है। देश में कालांतर में चुनावों के दौरान वोटरों को धमकाने, मतदान केंद्रों पर हिंसा और बमबारी, मतदान दलों को धमकाकर जबरिया वोट डालना, मतपेटियों को लूटने जैसी घटनाएं होते रही हैं लेकिन ईवीएम तथा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के चलते ऐसे अपराधों पर काफी अंकुश लगा है। अलबत्ता चुनावी हिंसा से जहां नागरिकों के राजनीतिक और मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है वहीं इससे अनेक अयोग्य व अपराधी संसद और विधानसभाओं में पहुंच रहे हैं जिससे लोकतंत्र के मंदिर की मर्यादा खंडित हो रही है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स 'एडीआर' के मुताबिक 18 वीं लोकसभा में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 46 फीसदी यानि 251 सांसद हैं। इनमें से 31 फीसदी पर हत्या, बलात्कार और अपहरण जैसे आरोप हैं यह आंकड़ा साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। इसी प्रकार देश भर के विधानसभाओं के 45 फीसदी विधायकों ने अपने उपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। बंगाल में संपन्न हालिया चुनाव के बाद नवीन विधानसभा के 65 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि 2021 के विधानसभा में यह आंकड़ा 49 फीसदी था। अन्य राज्यों में भी दागी विधायकों की संख्या सोचनीय है। गौरतलब है कि राजनीतिक हिंसा से देश में आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का भी खतरा बढ़ता है जिसके चलते महंगाई, बेरोजगारी और अपराध के आंकड़ों में बढ़ोतरी होती है। लिहाजा आजादी के अमृतकाल में देश के राजनीतिक व्यवस्था को हिंसा और भयमुक्त करने की जरूरत है ताकि आम जनता का भरोसा चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति कायम रहे। इस दिशा में राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करने की जरूरत है आखिरकार यह लोकतंत्र के अक्षुण्णता से जुड़ा मुद्दा है।

आर्थिकी

सतीश सिंह

महंगाई की मार से धीमी पड़ती विकास की रफ्तार

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाएं विकास की गति पर भारी पड़ती दिखाई दे रही हैं। दुनिया भर में खाद्य पदार्थों, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि ने महंगाई को फिर वैश्विक चिंता के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसका सीधा असर विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार वैश्विक खाद्य कीमतें पिछले तीन वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी हैं। अप्रैल महीने में फूड कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.5 प्रतिशत अधिक है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष है, जिसने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ईरान युद्ध को दस सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है और हॉर्मुज जलडमरूमध्य अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। यह वही सामरिक समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। इस मार्ग में व्यवधान आने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गहरा असर पड़ा है। ईंधन, उर्वरक, खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिसके कारण उनकी कीमतों में तेज उछाल आया है। सबसे अधिक प्रभाव खाद्य तेलों पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बायो-फ्यूल की मांग बढ़ा दी है, जिसके कारण वेजिटेबल ऑयल की कीमतें मार्च की तुलना में अप्रैल महीने में लगभग 6 प्रतिशत बढ़ गई हैं। यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अनाज की कीमतों में भी लगातार तेजी बनी हुई है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो आने वाले समय में वैश्विक खाद्य संकट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत में भी महंगाई के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। अप्रैल महीने में दैनिक उपयोग की 20 में से 16 वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। खाने के तेल, टमाटर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी ने खुदरा महंगाई को लगभग 4 प्रतिशत के स्तर तक पहुंचा दिया है। महंगाई का असर केवल रसोई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह धीरे-धीरे पूरी अर्थव्यवस्था की गति को प्रभावित करता है। पैकेजिंग सामग्री, ऊर्जा और परिवहन लागत बढ़ने से एफएमसीजी सेक्टर की कंपनियों की इनपुट लागत बढ़ गई है। आने वाले महीनों में साबुन, तेल, बिस्किट और अन्य रोजमर्रा की वस्तुएं और महंगी हो सकती हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। यूरिया, एल्युमीनियम, सोया तेल और गेहूं जैसी आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हुई हैं। इसका असर उद्योगों, निर्माण क्षेत्र और कृषि लागत पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कृषि क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हो रहा है, क्योंकि उर्वरक, डीजल और परिवहन महंगे होने से खेती की लागत बढ़ रही है। इससे खाद्य कीमतों में और वृद्धि होने की संभावना है। महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि लोगों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन, ईंधन और रोजमर्रा के खर्चों में निकल जाता है, जिससे बचत घट जाती है। बचत कम होने से बैंकों और वित्तीय संस्थानों के पास निवेश के लिए पूंजी भी कम होती है। परिणामस्वरूप उद्योगों का विस्तार धीमा पड़ने लगता है। यही कारण है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने हालिया मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा है। केंद्रीय बैंक का उद्देश्य महंगाई को नियंत्रित करना है, लेकिन ऊंची ब्याज दरों का असर निवेश और उपभोग दोनों पर पड़ता है। कर्ज महंगा होने से उद्योगों के विस्तार की गति धीमी होती है और नए निवेश प्रभावित होते हैं। इससे रोजगार के अवसरों पर भी असर पड़ता है। विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर पर इसका दबाव अधिक दिखाई दे रहा है। छोटे और मध्यम उद्योग पहले ही ऊंची लागत और सीमित पूंजी से जूझ रहे हैं। अब ऊर्जा, परिवहन और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों ने उनकी चुनौतियां और बढ़ा दी हैं।

चेतना का मूल आधार है अस्तित्व का ज्ञान

संकलित

दर्शन

जब हम दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हमें यह ज्ञान होता है कि संपूर्ण विश्व एक है। आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक तथा प्राण-जगत भिन्न-भिन्न नहीं हैं। समस्त विश्व, यहां से वहां तक, एक है। बात इतनी ही है कि अलग-अलग दृष्टिकोण से देखे जाने के कारण वह विभिन्न प्रतीत होता है। 'मैं शरीर हूं, इस भावना से जब तुम अपनी ओर देखते हो तो यह भूल जाते हो कि मैं मन भी हूं'। और, जब तुम अपने को मनोरूप में देखने लगते हो, तो तुम्हें अपने शरीरत्व की विस्मृति हो जाती है। विद्यमान वस्तु केवल एक है और वह तुम हो। वह तुम्हें जड़ या शरीर के रूप में अथवा मन या आत्मा के रूप में दिख सकती है। जन्म, जीवन, मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। होता इतना ही है कि मनुष्य एक स्थिति से दूसरी स्थिति में चला जाता है। लोगों को मृत्यु से इतना भय पाते देख मुझे बहुत दुख होता है। वे मानो जीवन को पकड़ कर रखने की सतत चेष्टा करते रहते हैं। वे कहते हैं कि मृत्यु के बाद हमें जीवन दो। हमें मरणोत्तर जीवन दो। यदि कोई आए और उन्हें बताए कि मृत्यु के बाद भी वे विद्यमान रखेंगे, तो वे कितने आनंदित होते हैं? वस्तुतः मनुष्य के अमरत्व में मैं अविश्वास ही किस तरह कर सकता हूं? मैं मृत हूं, यह कल्पना ही मैं किस प्रकार कर सकता हूं? तुम यदि अपने को मृत सोचने की कोशिश करो तो देखोगे कि तुम अपने मृत शरीर को देखने के लिए वर्तमान हो ही। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते।

राजा हैं, फिर भी घमंडी ना बनें

संकलित

प्रेरणा

एक राज्य में एक राजा रहता था जो बहुत घमंडी था। उसके घमंड के चलते आस पास के राज्य के राजाओं से भी उसके संबंध अच्छे नहीं थे। उसके घमंड की वजह से सारे राज्य के लोग उसकी बुराई करते थे। एक बार उस गांव से एक साधु महात्मा गुजर रहे थे उन्होंने भी राजा के बारे में सुना और राजा को सबक सिखाने की सोची। साधु तेजी से राजमहल की ओर गए और बिना प्रहरियों से पूछे सीधे अंदर चले गए। राजा ने देखा तो वो गुस्से में भर गया। राजा बोला- ये क्या उदण्डता है महात्मा जी, आप बिना किसी की आज्ञा के अंदर कैसे आ गए? साधु ने विनम्रता से उत्तर दिया- मैं आज रात इस सराय में रुकना चाहता हूं। राजा को ये बात बहुत बुरी लगी वो बोला- महात्मा जी ये मेरा राज महल है कोई सराय नहीं, कहीं और जाइये। साधु ने कहा- हे राजा, तुमसे पहले ये राजमहल किसका था? राजा- मेरे पिताजी का, साधु- तुम्हारे पिताजी से पहले ये किसका था? राजा- मेरे दादाजी का। साधु ने मुस्करा कर कहा- हे राजा, जिस तरह लोग सराय में कुछ देर रहने के लिए आते है वैसे ही ये तुम्हारा राज महल भी है जो कुछ समय के लिए तुम्हारे दादाजी का था, फिर कुछ समय के लिए तुम्हारे पिताजी का था, अब कुछ समय के लिए तुम्हारा है, कल किसी और का होगा। ये राजमहल जिस पर तुम्हें इतना घमंड है ये एक सराय ही है जहाँ एक व्यक्ति कुछ समय के लिए आता है और फिर चला जाता है। साधु की बातों से राजा इतना प्रभावित हुआ कि सारा राजपाट, मान सम्मान छोड़कर साधु के चरणों में गिर पड़ा और महात्मा जी से क्षमा मांगी।

पहिए बनने शुरू

पुरीः 'महाराणा सेवायत (पुश्तैनी बढ़ई) के नाम से जाने जाने वाले कारीगर, सालाना रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के लिए रथों के लकड़ी के पहिए बना रहे हैं। पहिए बनाने की प्रक्रिया ओडिशा के पुरी में बुधवार से शुरू हुई।

आज की पाती

सोच और कार्य व्यवहार बदलने ही चाहिए

जरूरत से ज्यादा विनम्र होना और किसी को अधिक सम्मान देना भी आज के समय में कई बार एक बड़ी मूर्खता प्रतीत होती है। वे लोग आपको/हमें लगभग उनका दास ही समझने लगते हैं, विशेषकर बड़े प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के विषय में। मुख्यतः, यदि कुछ प्रशासनिक अधिकारी ईमानदार और पूर्णतः संवैधानिक विषयों, कार्यों में भी सहयोग नहीं करते हैं, तो ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध निर्भीक होते हुए कानूनी तरीके से निःसंकोच होकर अवश्य ही अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हमारे पूर्ण मर्यादा में रहते हुए, उन लोगों को भी कुछ सेंक/आंच महसूस होनी चाहिए। ये हम सभी को बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि बड़े से बड़े प्रशासनिक अधिकारी और चुने हुए प्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिए ही होते हैं, जनमानस-नागरिकों पर राज करने के लिए नहीं। -राजेन्द्र ठाकुर, रायपुर

ट्रेंड

स्वच्छ भारत अभियान

मेरा हमेशा से यही मानना रहा है कि कोई भी सरकार तभी सफल हो सकती है जब समाज स्वयं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग ले। स्वच्छ भारत अभियान जैसे अनेक कार्यक्रम इसके प्रमुख उदाहरण है।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गहरी संवेदनाए

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के मंत्री डी. सुधाकर के निधन से गहरा दुख हुआ। कांग्रेस विचारधारा के पथप्रदर्शक, उन्होंने अपना पूरा जीवन चित्रदुर्ग और कर्नाटक के गरीबों की सेवा में व्यतीत किया। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाए।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

मां कामाख्या के दर्शन

असम का नया विधान भवन ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित है, जहां से दुनिया का सबसे छोटा नदी द्वीप उमानंदा दिखाई देता है। जब भी आप मां कामाख्या के दर्शन के लिए आएं, उमानंदा में बाबा के दर्शन अवश्य करें। इससे आपकी यात्रा सफल होगी
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

डिजिटल क्रांति

हमारी डिजिटल क्रांति ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है। आज बुनियादी ढांचा भी अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहा है, भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत तेजी से स्टार्टअप के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन गया है।
- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

करंट अफेयर

गड्ढे भरना नेताओं के बस की बात क्यों नहीं?

ब्रिटेन में सड़कों के गड्ढे न सिर्फ सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं, बल्कि ये वाहनों को नुकसान पहुंचाने के साथ लोगों की रोजमर्रा की परेशानी और नाराजगी की बड़ी वजह भी हैं। स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान यह मुद्दा और भी उभरकर सामने आता है क्योंकि अधिकांश सड़कों का रखरखाव स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है। अप्रैल में हुए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि सात मई के लिए निर्धारित चुनावों में पूरे ब्रिटेन में मतदाताओं के लिए सड़कों की हालत सबसे प्रमुख स्थानीय मुद्दा रही। 'द एस्फाल्ट इंडस्ट्री एलायंस' (एआईए) की 2025 की रिपोर्ट बताती है कि इंग्लैंड और वेल्स के स्थानीय सड़क नेटवर्क का 17 प्रतिशत हिस्सा खराब हालत में है।

ऑफ बीट

आइसक्रीम के स्वादों का अजीब इतिहास

इंग्लिश हेरिटेज अब अपनी 13 साइटों पर ब्राउन ब्रेड आइसक्रीम बेच रहा है, जिसे वह 'ब्रेड के बाद सबसे अच्छी कटी हुई चीज' बताता है, जो जॉर्जियाई रेसिपी से प्रेरित है। स्वाद की घोषणा में ब्राउन ब्रेड आइसक्रीम तक पहुंचने से पहले इंग्लिश हेरिटेज द्वारा परमेसन और ककड़ी जैसे कई और विचित्र जॉर्जियाई स्वादों को आजमाने का उल्लेख किया गया है। ऐतिहासिक व्यंजनों से आगंतुकों को लुभाने के अपने प्रयासों में इंग्लिश हेरिटेज अकेली नहीं है। एडिनबर्ग में, नेशनल ट्रस्ट फॉर स्कॉटलैंड के ग्लैडस्टोन्स लैंड में डेयरी से जुड़ा एक आइसक्रीम पार्लर है, जो 1904 में वहां बना था।

संक्षेप

बिना नंबर के दौड़ रहे डंपर

तीन दिन में दो महिलाओं को रौंदा, पीटीओ बोले- 20 गाड़ियों का चालान कर चुके

अमेठी , जिले में बिना नंबर के डंपर लगातार सड़क हादसों का कारण बन रहे हैं। इन डंपरों की चपेट में आने से कई लोगों की जान जा चुकी है, जबकि परिवहन विभाग की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित दिख रही है। जिले में होने वाले अधिकांश सड़क हादसों में डंपर शामिल होते हैं। पिछले एक सप्ताह में डंपरों से हुई दुर्घटनाओं में कई लोगों की मौत हो चुकी है। हादसों के बाद डंपर चालक अक्सर मौके से फरार हो जाते हैं। बिना नंबर प्लेट के होने के कारण इन वाहनों की पहचान करना और उन्हें पकड़ना पुलिस एवं स्थानीय लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है। ये डंपर जिला मुख्यालय गौरीगंज से अमेठी, अठेहा, जामो, मुसाफिरखाना और सुल्तानपुर रोड पर दिन-रात बेरोकटोक दौड़ते रहते हैं। स्थानीय एआरटीओ ऐसे डंपरों पर लगातार कार्रवाई करने का दावा करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से अलग है। इस संबंध में पीटीओ दिनेश कुमार रावत ने बताया कि विभाग द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहनों पर चालान के साथ-साथ उन्हें सीज करने की भी कार्रवाई की जा रही है। रावत के अनुसार, अब तक 20 से अधिक वाहनों का चालान किया जा चुका है और यह अभियान जारी रहेगा। हाल ही में शनिवार को अठेहा मार्ग पर बिना नंबर प्लेट के एक डंपर की चपेट में आने से अधेड़ महिला मायावती की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया था। इससे पहले, देर रात जगदीशपुर थाना क्षेत्र में भी एक डंपर की चपेट में आने से मुश्तकुल निशा नामक महिला की मौत हो गई थी। लगभग दो सप्ताह पूर्व एक अन्य घटना में डंपर की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की भी जान चली गई थी।

25 हजार का इनामी हत्यारोपी गिरफ्तार

चार दिन पहले युवक की हत्या का आरोपी ऑपरेशन चक्रव्यूह में पकड़ा गया

अमेठी , पुलिस ने चार दिन पहले एक युवक की गोली मारकर हत्या करने वाले 25 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीपरपुर पुलिस ने देर रात आरोपी सचिन पांडेय को पीपरपुर रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय से पकड़ा। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल की गई देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। यह घटना पीपरपुर थाना क्षेत्र के खानापुर गांव में शुक्रवार दोपहर को हुई थी। दीपक मिश्रा नामक युवक की देसी पिस्तौल से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दिनदहाड़े हुई वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। घटना के बाद आरोपी सचिन पांडेय मौके से फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) के निर्देश पर पांच टीमों का गठन किया गया था, जो लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थीं। एसपी ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। घटना के चौथे दिन, एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत पुलिस ने देर रात आरोपी सचिन पांडेय को गिरफ्तार किया।

रुपईडीहा में 4 किलो 665 ग्राम चरस के साथ नेपालगंज निवासी जाबिर हलवाई गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा से सटे कस्बा रुपईडीहा में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने मंगलवार शाम बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 4 किलो 665 ग्राम नेपाली चरस बरामद की है। इस मामले में नेपालगंज निवासी जाबिर हलवाई निवासी वार्ड नं0 3 एकलैनी नेपालगंज नेपाल को गिरफ्तार किया गया है। रूपईडीहा थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस और एस एस बी की संयुक्त टीम ने मालगोदाम रोड स्थित एक किराने की दुकान पर छापेमारी की, जहां से भारी मात्रा में नेपाली चरस बरामद हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक आरोपी दुकान की आड़ में भारतीय और नेपाली मुद्रा बदलने का काम भी करता था।उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ये कार्यवाही की गई।बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत ढाई करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस और एसएसबी की टीम गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही रुपईडीहा के चकिया रोड स्थित एक मोबाइल की दुकान से लगभग 6 किलो 700 ग्राम नेपाली चरस बरामद की गई थी। लगातार हो रही बड़ी बरामदगियों से सीमा की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार पकड़े जा रहे मादक पदार्थों से यह आशंका भी जताई जा रही है कि रुपईडीहा अब मादक पदार्थ तस्करों का ट्रांजिट प्वाइंट बनता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार नेपाल से लाई जा रही चरस की खेप को रुपईडीहा के रास्ते देश के अन्य शहरों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद चरस की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन स्थानों तक भेजा जाना था।लगातार हो रही बरामदगियों के बाद सीमा क्षेत्र में निगरानी और सख्त कर दी गई है। पुलिस, एसएसबी तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियां संदिग्ध व्यक्तियों और दुकानों पर विशेष नजर बनाए हुए हैं।

नेपाल के बर्दिया में 42 लाख नेपाली मूल्य की स्मैक के साथ दो भारतीय युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। नेपाल के पड़ोसी जिला बर्दिया में लुंबिनी प्रदेश पुलिस एवं मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो शाखा नेपालगंज की संयुक्त कार्रवाई में दो युवकों को भारी मात्रा में स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से भारत-नेपाल सीमा पर सक्रिय मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, संयुक्त टीम ने बर्दिया जिले के गुलहरिया स्थित बाबा पेट्रोल पंप के पास छापेमारी कर दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से लगभग 280 ग्राम स्मैक बरामद हुई। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 42 लाख नेपाली रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार युवकों की पहचान तेजेंद्र कुमार (35 वर्ष) तथा विजय सिंह (26 वर्ष) के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक दोनों युवक भारतीय नागरिक बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है तथा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

बर्दिया पुलिस के अनुसार, बांके और बर्दिया जिलों से सटी भारतीय सीमा के रास्ते इन दिनों मादक पदार्थों की तस्करी तेजी से बढ़ रही है। पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियां सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी बढ़ा रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संयुक्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सर्वजन आम पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बनाये गए अमित कुमार

क्षेत्र सहित जिले भर से मिल रही बधाइयाँ

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। सर्वजन आम पार्टी की जिला कार्यकारिणी में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कुमार के निर्देश पर जिला अध्यक्ष की अनुमति से अमित कुमार गांव दुगार्पुर (बहराइच) को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया।प्रदेश अध्यक्ष ने अमित कुमार पर भरोसा जताकर उनको पार्टी की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। नए पदाधिकारियों में अमित कुमार को जिला उपाध्यक्ष बनाया है। उनके जिला उपाध्यक्ष बनने से ग्राम दुगार्पुर (नवाबगंज) सहित जिले भर में उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है। अमित कुमार को पदभार मिलने पर क्षेत्र के विनोद गिरि, विजय गुप्ता, विनय आर्य, विशाल आर्य, रोहित आर्य, दिनेश कनौजिया, फिरोज अंसारी आदि ने बधाई दी।बता दें, इससे पहले भी अमित कुमार दर्जनों सामाजिक संगठनो में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने बताया उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है वह ईमानदारी के साथ पार्टी मे काम करेंगे और सर्वजन आम पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे और पार्टी को जिले भर में विभिन्न आंदोलनों मुहिमों के माध्यम से मजबूती प्रदान करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कुमार का आभार व्यक्त किया।

भारत नेपाल के नरायनापुर सीमा पर छोटी भंसार का पुनः संचालन शुरू

नेपालगंज के व्यापारियों ने सभी छोटे भंसार खोलने की रखी मांग

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। नेपाल में माओवादी द्वंद्व के दौरान बंद किए गए बाँके जिले के सात छोटी भंसार (छोटे कस्टम कार्यालय) पुनः संचालित किए जाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। नेपाल सरकार द्वारा हाल ही में केवल नरैनापुर छोटी भंसार को दोबारा शुरू करने के निर्णय पर जिले के उद्योगपतियों और व्यापारियों ने असंतोष जताया है।जानकारी के अनुसार द्वंद्वकाल से पहले बाँके जिले के सुइया बघौडा के कटकुइयाँ, नरैनापुर, भगवानपुर, खडैचा होलिया, हिरमिनिया के भगोटना, साईगांव तथा उढरापुर नाकों पर छोटी भंसार कार्यालय संचालित थे।नेपालगंज उद्योग वाणिज्य संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं व्यवसायी कृष्णप्रसाद श्रेष्ठ ने कहा कि केवल एक छोटी भंसार कार्यालय खोलने से तस्करी और अवैध आयातझनिर्यात पर नियंत्रण संभव नहीं होगा। उन्होंने राजस्व संग्रह बढ़ाने तथा सीमा क्षेत्र में हो रही चोरीझछिपे आवाजाही रोकने के लिए पूर्व में संचालित सभी छोटी भंसार कार्यालयों को पुनः शुरू करने की मांग की।उन्होंने कहा कि मुख्य सीमा नाकों पर 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम शुल्क लगाए जाने के बाद अब अन्य सीमावर्ती रास्तों से अवैध आयातझनिर्यात बढ़ने की संभावना है। ऐसे में सभी छोटी भंसार कार्यालयों का संचालन आवश्यक हो गया है। नेपालगंज उद्योग वाणिज्य संघ के एक अन्य पूर्व अध्यक्ष अब्दुल वाहिद मन्सुरी ने भी सरकार के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केवल एक छोटी भंसार खोलने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने अन्य सीमा नाकों पर भी छोटी भंसार संचालन और नई रणनीति अपनाने की जरूरत बताई। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चिरञ्जीवी ओली ने कहा कि छोटी भंसार का पुनः संचालन स्थानीय व्यापारियों के लिए सकारात्मक कदम है, लेकिन सिर्फ एक कार्यालय से राजस्व चुहावट रोकना संभव नहीं होगा। इधर, नेपालगंज भंसार कार्यालय के प्रमुख जर्नादन पौडेल ने जानकारी दी कि नरैनापुर छोटी भंसार को पुनः संचालन में लाने की तैयारी तेजी से चल रही है। इसके लिए भौतिक संरचना निर्माण तथा कर्मचारियों की व्यवस्था की जा रही है।वहीं नरैनापुर गांवपालिका अध्यक्ष इशितयाक अहमद शाह ने कहा कि भारत-नेपाल खुली सीमा के कारण साइड नाकों से लंबे समय से भंसार चोरी की घटनाएं होती रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नरैनापुर छोटी भंसार शुरू होने के बाद अवैध आयातझनिर्यात पर कुछ हद तक नियंत्रण लगाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि भारत से सटे बाँके जिले की करीब 65 किलोमीटर खुली सीमा होने के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध व्यापार और तस्करी लंबे समय से प्रशासन के लिए चुनौती बनी हुई है।

एमआरपी 70, वसूले जा रहे 95 कैसरगंज में सिगरेट की कालाबाजारी का आरोप

सोशल मीडिया पर भी हुआ वीडियो वायरल

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। नगर पंचायत कैसरगंज में सिगरेट की कीमतों को लेकर कथित कालाबाजारी का मामला तूल पकड़ता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने बाजार में सिगरेट की बिक्री को लेकर नई बहस छेड़ दी है। वीडियो में एमआरपी से अधिक कीमत वसूले जाने का आरोप लगाया जा रहा है। शिकायतकर्ता मोनू ने आरोप लगाया है कि बाजार में बिकने वाली टोटल सिगरेट के पैकेट पर 70 रुपये मूल्य अंकित है, लेकिन इसे ग्राहकों को 95 रुपये में बेचा जा रहा है। यानी एक पैकेट पर करीब 25 रुपये अधिक वसूले जा रहे हैं। मोनू का कहना है कि यह खेल लंबे समय से चल रहा है और कुछ थोक विक्रेता मनमानी कीमतों पर बिक्री कर रहे हैं। आरोप के केंद्र में पुरानी गल्ला मंडी स्थित थोक विक्रेता लालचंद की दुकान बताई जा रही है। शिकायतकर्ता का दावा है कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भी इस मामले को उठाया गया है, जिसमें एमआरपी और बिक्री मूल्य के अंतर को दिखाते हुए कार्रवाई की मांग की जा रही है। नगर क्षेत्र में वीडियो वायरल होने के बाद लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि पैकेट पर निर्धारित मूल्य 70 रुपये अंकित है तो अधिक कीमत वसूलना नियमों के विपरीत हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

पुरानी रंजिश में 8 वर्षीय बालक की निर्मम हत्या, एक नामजद हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर/कैसरगंज, बहराइच। थाना कैसरगंज क्षेत्र के मंझारा तौकली स्थित दयालपुरवा गांव में बुधवार सुबह करीब 8 वर्षीय बालक की निर्मम हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी मिलते ही विश्वजीत श्रीवास्तव ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर थाना प्रभारी कैसरगंज राजेश कुमार शुक्ला, क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डी.के. श्रीवास्तव तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह मौजूद रहे। जनपदीय फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी करते हुए साक्ष्य जुटाए।

पुलिस ने मृत बालक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना कैसरगंज में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एक नामजद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। मामले के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं। पुलिस का कहना है कि घटना के हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बाइटः पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर एक नामजद आरोपी को हिरासत में लिया गया है तथा सभी पहलुओं पर जांच जारी है।

भारत-नेपाल सीमा पर सख्ती से बढ़ी गरीब नेपालियों को परेशानी

नेपाली सुरक्षा कर्मियों द्वारा महिलाओं को प्रताड़ित करने का वीडियो हुआ वायरल

नेपाली नागरिकों में नाराजगी, 100 की सीमा बढ़ाकर 5000 नेपाली करने की उठी मांग

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम नियमों को लेकर सख्ती काफी बढ़ गई है। नेपाल सरकार के आदेश पर भारत से नेपाल ले जाए जाने वाले 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम शुल्क लागू किए जाने से सीमावर्ती नेपाली क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोग प्रभावित हो रहे हैं। इस फैसले के बाद नेपाल के सीमावर्ती नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार इससे पहले नेपाल सरकार द्वारा नेपाली नागरिकों को भारत से दैनिक उपयोग के सामान लाने में पर्याप्त छूट दी जाती थी। लेकिन नई सरकार बनने के बाद पुराना नियम सख्ती से लागू कर दिया गया, जिसके तहत मात्र 100 रु0 नेपाली तक के सामान को ही बिना शुल्क ले जाने की अनुमति है। बताया जाता है कि यह नियम करीब 35 वर्ष पहले बनाया गया था, जब 100 नेपाली रुपये की क्रय शक्ति काफी अधिक थी। वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई के बावजूद इस सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सीमावर्ती नेपाली नागरिकों का कहना है कि अब उन्हें रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं नेपाल में कई गुना अधिक कीमत पर खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह प्रभावित हो गया है। खाद्य सामग्री, बच्चों के सामान, दवाइयां और अन्य जरूरी वस्तुओं के दाम अधिक होने से लोगों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वहीं सीमा पर तैनात नेपाली सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार को लेकर भी लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नियमों को सख्ती से लागू करने के दौरान कई बार आम नागरिकों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। पिछले दो दिनों में नेपाली महिलाओं के साथ मारपीट के आरोप भी सशस्त्र बलों पर लगे हैं, जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।बताया जा रहा है कि इससे पहले भी एक नेपाली महिला, जो अपने छोटे बच्चों के लिए कुरकुरे और चॉकलेट लेकर नेपाल जा रही थी, उसे सीमा पर रोक दिया गया था। इस दौरान महिला के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की चर्चा भी सामने आई थी। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार के आरोप लगाए जा रहे हैं।

स्थानीय नेपाली नागरिकों ने नेपाल सरकार से मांग की है कि सीमा पर आम जनता के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा पुराने नियमों में संशोधन कर भारत से सामान लाने की सीमा 100 नेपाली रुपये से बढ़ाकर कम से कम 5000 नेपाली रुपये की जाए। उनका कहना है कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सकेगी तथा दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने सामाजिक और आर्थिक संबंध भी मजबूत बने रहेंगे।

एक रात में पकड़े गए 16 आरोपी

लंबे समय से फरार थे, कोर्ट में पेश करने की तैयारी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, पुलिस ने एक रात में 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी के निर्देश पर जिले में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संग्रामपुर पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए इन गिरफ्तारियों को अंजाम दिया। ये सभी व्यक्ति विभिन्न मामलों में वांछित थे और लंबे समय से कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहे थे। अब इन सभी वारंटियों को कोर्ट में पेश करने की तैयारी की जा रही है।गिरफ्तार किए गए वारंटियों में शैलेन्द्र प्रताप सिंह (पुत्र दान बहादुर सिंह, ग्राम भौसिंहपुर), सीताराम (पुत्र रामप्रसाद, ग्राम बरतली), रामकिशोर (पुत्र रामनरेश, 60 वर्ष, ग्राम नेवादा कनू), अमरबहादुर (पुत्र रामनरेश, 52 वर्ष, ग्राम नेवादा कनू), गिरदावर चौहान (पुत्र पोटी चौहान, 62 वर्ष, शिवपुरर मजरे करनाईपुर), पारसनाथ सिंह उर्फ मैकू (पुत्र सत्य नरायन सिंह, 62 वर्ष, नेवादा कनू), रवीन्द्र पाण्डेय (पुत्र माता प्रसाद पाण्डेय, 56 वर्ष, जरौटा), महेश (पुत्र बद्री प्रसाद, 32 वर्ष, भावलपुर।उमाशंकर (पुत्र रामदुलारे, 35 वर्ष, भावलपुर), गिरिश उर्फ गिर्रऊ (पुत्र वीपत, 32 वर्ष, भावलपुर), दिनेश कुमार (पुत्र शिवचरण, 40 वर्ष, भुचकुवारे टीकरमाफी), राम कुमार कोरी (पुत्र रामरतन, 52 वर्ष, महसों), रमेश कोरी (पुत्र रामदुलारे, 35 वर्ष, महसों), यशोदा (पत्नी अमर बहादुर, 52 वर्ष, नेवादा कनू), मीना (पत्नी श्रीराम, 45 वर्ष, नेवादा कनू) और शिवानी शर्मा (पुत्री काजू शर्मा, पूरे अजीत मजरे, हिम्मतगढ थाना संग्रामपुर) शामिल हैं।

ट्रेन से कटकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

हावड़ा-अमृतसर पंजाब मेल आधे घंटे रुकी रही, पुलिस ने शव को ट्रैक से हटाया

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , फतनपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना के बाद हावड़ा-अमृतसर पंजाब मेल करीब आधे घंटे तक रुकी रही, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को ट्रैक से हटाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना गौरा रेलवे स्टेशन के पश्चिमी आउटर सिग्नल के समीप हुई। पुरी से नई दिल्ली जा रही नीलांचल एक्सप्रेस जब वहां पहुंची, तभी अचानक करीब 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति उसकी चपेट में आ गया। व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और शव रेलवे ट्रैक के बीचों-बीच पड़ा रहा। इसी ट्रैक से गुजर रही हावड़ा से अमृतसर जाने वाली पंजाब मेल के चालक की नजर ट्रैक पर पड़े शव पर पड़ी। चालक ने तुरंत ट्रेन रोक दी। शव ट्रैक पर होने के कारण पंजाब मेल आधे घंटे से अधिक समय तक मौके पर खड़ी रही। इसके बाद ट्रेन चालक ने कंट्रोल रूम को घटना की सूचना दी। कंट्रोल रूम से यह सूचना गौरा स्टेशन मास्टर को दी गई, जिन्होंने स्थानीय फतनपुर पुलिस को अवगत कराया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेलवे ट्रैक से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

धमाके के साथ कॉफी-मशीन ब्लास्ट , दुल्हन के भाई की मौत

किशोर 10 फीट दूर जा गिरा, बारात में भगदड़, टेंट-स्टाल सब तहस-नहस

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, बारात में कॉफी मशीन ब्लास्ट होने से दुल्हन के चचेरे भाई की मौत हो गई। किशोर कॉफी मशीन के पास बैठा था, धमाके से करीब 10 फीट दूर जा छिटका और पेड़ से जा टकराया। रात की यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर पट्टी थानाक्षेत्र के बहुता गांव की है। मृतक विपिन (15) की चचेरी बहन की बारात आई थी। धमाका जिस वक्त हुआ, उस वक्त वरमाला के बाद कलेवा कार्यक्रम चल रहा था। डॉक्टर्स के अनुसार, किशोर 80 प्रतिशत से अधिक झुलस गया था। सिर भी उसका फट गया था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। बहुता गांव में रहने वाले रामप्यारे पटेल फूलपुर के जूनियर हाईस्कूल में प्रधानाध्यापक हैं। उनकी बेटी की शादी थी। शादी में परिवार-रिश्तेदार जुटे हुए थे। चचेरा भाई विपिन भी शादी में शामिल था। वरमाला के बाद कलेवा का कार्यक्रम चल रहा था। विपिन स्टॉल पर लगी कॉफी मशीन के पास बैठा हुआ था। उसी समय अचानक से तेज धमाके के साथ कॉफी मशीन ब्लास्ट हो गई। पास बैठा विपिन एक झटके में करीब 10 फीट दूर एक पेड़ से जाकर टकराया। उधर, पूरा पंडाल और स्टॉल तहस-नहस हो गया। बारात में भगदड़ मच गई। विपिन बुरी तरह झुलस गया था।

संक्षेप

दवा लेने निकले युवक की मौत

अज्ञात वाहन ने कार में मारी टक्कर, सीसीटीवी से आरोपित चालक की तलाश

बागपत , सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। हिसावदा गांव निवासी युवक अजय की एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया गया कि अजय अपनी कार से दवाई लेने सिंघावली जा रहा था, तभी रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उसकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।टक्कर इतनी जबरदस्त कि कार के उड़े परखच्चेप्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सामने से आए तेज रफ्तार वाहन ने अजय की कार को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कार में फंसे अजय को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी।मौके पर ही टूट गई युवक की सांसेंस्थानीय लोगों ने घायल अजय को बचाने की कोशिश की, लेकिन उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन बदहवास हालत में घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है और लोगों की आंखें नम हो गईं।हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरारघटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना मिलने पर सिंघावली अहीर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के लोगों से भी जानकारी ली।सीसीटीवी फुटेज से तलाश में जुटी पुलिसकोतवाली प्रभारी मनोज कुमार चेहल ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।पुलिस अन्य तकनीकी और स्थानीय साक्ष्यों के आधार पर आरोपी चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांगमृतक के परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे होते रहते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। ग्रामीणों ने सड़क पर स्पीड कंट्रोल के इंतजाम, चेतावनी संकेत और पुलिस निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

पुलिस मुठभेड़ में गोकश घायल

फायरिंग में एसआई के बाएं हाथ में भी लगी गोली

बागपत , बिनौली थाना क्षेत्र के शेखपुरा वन्य क्षेत्र में रविवार रात 1 बजे पुलिस और गोकशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शेखपुरा निवासी हिस्ट्रीशीटर नाजिम घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। मुठभेड़ के दौरान बिनौली थाने में तैनात सब-इंस्पेक्टर नीलकांत भी गोली लगने से घायल हो गए सीओ विजय चौधरी ने बताया कि रविवार रात इंस्पेक्टर राकेश कुमार शर्मा को सूचना मिली थी कि दो बदमाश शेखपुरा वन्य क्षेत्र में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में चेकिंग अभियान चलाया। दारोगा के हाथ में लगी गोलीबिनौली में चेकिंग के दौरान पुलिस ने बाइक सवार दो युवकों को रोकने का प्रयास किया।

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर का सीबीएसई परिणाम शानदार

शिवांगी शर्मा ने 98.6% अंक प्राप्त कर किया विद्यालय का नाम रोशन

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। बुधवार को गोवर्धन रोड स्थित श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मन्दिर ने सीबीएसई कक्षा 12 परीक्षा परिणाम 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर शैक्षिक गुणवत्ता और अनुशासन की अपनी परम्परा को सिद्ध कर दिया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यन्त गौरवपूर्ण रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न संकायों में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। विद्यालय प्रशासन एवं अभिभावकों में इस शानदार उपलब्धि को लेकर हर्ष का वातावरण है। विद्यालय की छात्रा शिवांगी शर्मा ने मानविकी वर्ग में 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। विज्ञान वर्ग में याशिका चतुर्वेदी ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि वाणिज्य वर्ग में नमन बंसल ने 96.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। पूर्ति अग्रवाल ने संस्कृत, कार्तिक गोयल ने आईपी, शिवांगी शर्मा ने इतिहास एवं मनोविज्ञान, अनिल सिंह एवं मैथिली कुंतल ने संगीत, याशिका चतुर्वेदी और अदिति कुमारी ने मनोविज्ञान तथा दिशा चौधरी ने पेंटिंग विषय में 100 में 100 अंक प्राप्त किए। विद्यालय से कुल 300 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 294 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। 50 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए, जबकि 215 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जो विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। विद्यालय की ह्यस्टार अचीवर्सह्न सूची में आर्यन तिवारी, वैष्णवी चौधरी, सौम्या पराशर, भाव्या गोयल, जयत अग्रवाल, कनक वार्ष्णेय, गगन सिंह राघव, दर्शित शर्मा, हर्ष कुमार धांगर सहित अनेक विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के प्रबन्धक प्रोफेसर डॉ० तेजपाल सिंह ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासित अध्ययन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह गौरवपूर्ण परिणाम संभव हुआ है। वहीं प्रधानाचार्य हरेन्द्र कुमार सारस्वत ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यालय निरंतर उत्कृष्ट शिक्षा, संस्कार और गुणवत्ता के माध्यम से नई उपलब्धियाँ स्थापित करता रहेगा। विद्यालय के अध्यक्ष महन्त रमाकान्त गोस्वामी, सरस्वती शिक्षा परिषद के मन्त्री डॉ० आर० पी० सिंह, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार बंसल, सह-प्रबन्धक प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सी० ए० संजीव अग्रवाल एवं प्रबन्ध समिति के अन्य पदाधिकारियों सहित संतोषी उप-प्रधानाचार्य प्रेम शंकर, परीक्षा प्रमुख धर्मेन्द्र बंसल, वरिष्ठ आचार्य शिवहरी गोस्वामी, नवीन वार्ष्णेय, निर्मल सिंह राणा, रचना अग्रवाल, शोभा कानोडिया, गिरीश तोमर, शिखा चाहर आदि आचार्यों ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास का वातावरण रहा।

क्षेत्र में पहुंचे डीसी एनआरएलएम ने किया निरीक्षण

ब्लॉक मुख्यालय समेत कुलखेड़ा में हुआ वृक्षारोपण

अमन लेखनी समाचार

समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड मुख्यालय का डीसी एनआरएलएम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे डीसी मुकेश कुमार ने सभी अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए समूह की महिलाओं के साथ बैठक की वही क्षेत्र के डिघरुवा ग्राम पंचायत के राशन कोटे को लेकर समूह की महिलाओं ने उच्च अधिकारी से विस्तृत वार्ता करते हुए निष्पक्ष कोटा चिन्हित करने की अपील की उच्च अधिकारी ने भी सभी महिलाओं को आश्वासन दिया वहीं खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे तथा एनआरएलएम जिला मिशन प्रबंधक मित्रा मधुकर के साथ डीसी मुकेश कुमार क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुलखेड़ा पहुंचे गांव पहुंचकर आंगनबाड़ी केंद्र एमडीएम सेट एवं मियां बाकी वृक्षारोपण का कार्य संपन्न किया गांव पहुंचकर अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय कर्मचारियों को उच्च अधिकारी द्वारा जरूरी दिशा निर्देश दिए गए इस मौके पर सुपरवाइजर अंजू उत्तम ब्लॉक मिशन प्रबंधक सुशील कुमार राकेश कुमार कुलखेड़ा ग्राम प्रधान कृष्णा तिवारी सचिव योगेंद्र कुमार आंगनबाड़ी कार्यकत्री रीता दीक्षित रूपा तिवारी समेत सभी विभागीय कर्मचारी व ग्रामीण मौजूद है

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आधा दर्जन प्रकल्पों का किया ई-लोकार्पण

गाय नहीं कटने देंगे, देश नहीं बटने देंगे- केशव प्रसाद मौर्य

अमन लेखनी समाचार

फरह (मथुरा)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ₹गाय नहीं कटने देंगे, देश नहीं बटने देंगे₹ यह हमारा दृढ़ संकल्प है। गौ माता के गर्दन पर आज खंजर नहीं चल सकता, लेकिन गाय के महत्व को भी हमें समझना होगा और इस समाज को समझाना भी होगा। उप मुख्यमंत्री दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के द्वारा दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र गऊ ग्राम परखम के नवधा सभागार में बुधवार को आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पं० दीनदयाल उपाध्याय को यह देश ही नहीं संपूर्ण विश्व जानता है, आज उन्हीं के नाम पर इस परखम गांव में पं० दीनदयाल अनुसंधान केंद्र के तत्वावधान में का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र बनेगा। मुझे जो कुछ बन पड़ेगा मैं इस संस्थान के लिए जरूर करूंगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार तीसरी बार नहीं बल्कि आगे कई वर्षों तक उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की चलती रहेगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने का जो आग्रह किया है, उस आग्रह का आप सभी पालन कर सहयोग करें। मुख्य वक्ता राजकुमार मटाले अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि परिवर्तन ही जीवंता का लक्षण है। समाज के सकारात्मक कार्यों से ही समाज का निर्माण होता है। भारत की आत्मा धर्म है और यहां पर चलने वाला यह कार्य धर्म का कार्य है। उन्होंने बताया कि गाय की महिमा का वेद काल से वर्णन है। वर्तमान काल खंड में गाय की महत्ता की आवश्यकता है। इस दृष्टि से यह अनुसंधान केंद्र सही सिद्ध हो रहा है। एशिया के इस सबसे बड़े अनुसंधान केंद्र में गाय पर अनुसन्धान होगे, जिससे गाय की महत्ता देश में ही नहीं विश्व पटल पर बढ़ेगी। निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर डॉ० स्वामी कैलाशानन्द गिरि महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि गाय पूरी दुनियां के लिए मां है, जो मानते हैं उनके लिए भी और जो नहीं मानते उनके लिए भी हितकारक है। गाय केवल भारत और सनातन धर्म की ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की माता है। गाय सभी के लिए महत्वपूर्ण है। जो गऊ पंचगव्य का पान करेगा, वह हमेशा स्वस्थ रहेगा। शरीर को पवित्र करने के लिए गाय माता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। गाय मां की सेवा से हम भगवान को प्राप्त करेंगे। संपूर्ण सृष्टि गाय में विद्यमान है ब्रज के सुप्रसिद्ध संत रामकथा मर्मज्ञ विजय कौशल महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि सभी लोग गायों को चारागाह में चरावने की व्यवस्था करें। गऊ चारागाह अधिक होने चाहिए, तभी गाय पालन की सार्थकता होगी। उन्होंने जगह- जगह चारागाह बनवाने का आव्हान किया। लोग गाय पालन की बजाय जमीन दान करें, जिससे प्राकृतिक रूप से चारागाह तैयार हो सकें। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा गौमाता के चित्रपट के सम्मुख सुरभि मंत्र के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समिति पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों को उत्तरीय उढ़ाकर एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किशन मोहन शर्मा एवं सुमित्रा शर्मा का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना कामधेनु गौशाला समिति के मंत्री हरिशंकर शर्मा ने रखी, संचालन डॉ० अनुराग शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन सतीश अवाना ने किया।

यह रहे उपस्थित--

इस अवसर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ० दिनेश, अजित महापात्र संयोजक, अखिल भारतीय गौ गतिविधि, क्षेत्र प्रचारक महेंद्र शर्मा, क्षेत्र संपर्क प्रमुख हरीश रौतेला, केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, योगेंद्र उपाध्याय उच्च शिक्षा मंत्री, निदेशक केशवधाम ललित कुमार, निदेशक दीनदयाल धाम सोनपाल, क्षेत्र प्रचार प्रमुख कीर्ति कुमार, केएलएल पाठक पूर्व कुलपति दिवासु, प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र, शशाक भाटिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामाशंकर कठेरिया, सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, विधायक पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, एमएलसी ठा० ओम प्रकाश सिंह, ऋषि पाल, रजनीकांत, मानवेंद्र सिंह, रमाकांत उपाध्याय, नरेंद्र शर्मा, बादाम सिंह, चंद्रशेखर, मीडिया प्रमुख मुकेश शर्मा, जसवंत सैनी, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, पूर्व विधायक करिंदा सिंह, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, नरेंद्र पाठक, अमित जैन, राम पाठक आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भूमि पूजन, हवन कर गौमाता का किया पूजन

फरह (मथुरा)। प्रातः दीनदयाल उपाध्याय कामधेनु गौशाला समिति के विभिन्न प्रकल्पों का गृह प्रवेश, भूमि पूजन एवं लोकार्पण समारोह के अवसर पर एक भव्य यज्ञ एवं हवन का आयोजन नव निर्मित गौरी भवन कन्या छात्रावास में आयोजित किया गया। यज्ञ के मुख्य यजमान नोएडा निवासी किशन मोहन शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी सुमित्रा शर्मा रहीं।

इस अवसर पर निर्मित होने वाले प्रकल्पों का शिलापूजन किया गया। जिन प्रकल्पों का लोकार्पण हुआ उन स्थानों पर आचार्य गणों ने भगवान गणेश एवं गौमाता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पूजन-अर्चन किया एवं स्वास्तिक चिन्ह अंकित कर उद्घाटन की औपचारिकता पूर्ण की। इस अवसर पर गौमाता का साक्षात पूजन भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय अधिकारी सहभागी रहे।

इन प्रकल्पों का हुआ लोकार्पण

दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र गऊ ग्राम परखम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने

कन्या गौरी कन्या छात्रावास,
औषधि उद्यान,
पशु चिकित्सालय,
कामधेनु प्रसार केंद्र स्टूडियो,
बुनकर प्रशिक्षण केंद्र की मशीन का पूजन लोकार्पण किया।

कन्वेशन सेंटर और स्टाफ आवास का भूमि पूजन कर उनकी आधारशिला रखी।

ब्लॉक संसाधन केंद्र में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

दीक्षा ऐप प्रेरणा पोर्टल समेत नवीन नामांकन पर हुई बृहद चर्चा

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड ब्लॉक संसाधन केंद्र में समीक्षा बैठक संपन्न हुई खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण शुक्ला की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम अंतर्गत पहुंचे शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों ने नवीन नामांकन प्रेरणा पोर्टल दीक्षा एप समेत अनेकों महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत रूप से जानकारियां साझा की कार्यक्रम में मौजूद एसआरजी राधेश्याम दीक्षित ने नवीन जानकारियों को साझा करते हुए मौजूदा सभी प्रधानाचार्यो को जरूरी दिशा निर्देश दिए वहीं खंड शिक्षा अधिकारी ने भी सभी प्रधानाचार्यों शिक्षकों का मार्गदर्शन किया इस मौके पर एआरपी शिक्षक शैलेंद्र सचान सौरभ कुमार कृपाराम सुशील कुमार राजेंद्र प्रसाद प्रधानाचार्य मनीषा शुक्ला मधुसूदन सचान दयाराम गौतम कमल किशोर कुलदीप तिवारी तथा प्राथमिक विद्यालय बाबूपुर के प्रधानाध्यापक सर्वेश अवस्थी के साथ-साथ एल एल लफ की ऋतु कुमारी सर्वेश कुमार आदि सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य शिक्षकों ने बैठक में सहभागिता निभाई

गांव वालों ने कमिश्नर ऑफिस घेरा

अपर नगर आयुक्त से बोले- नगर निगम अब 'नरक निगम' है, हर तरफ जलभराव और गंदगी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , जलभराव और बदहाल सफाई व्यवस्था से परेशान ग्रामीणों ने कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने नगर निगम पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों से कहा कि उनका विभाग 'नगर निगम' नहीं, बल्कि 'नरक निगम' बन गया है।कमिश्नर कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में ग्रामीण नारेबाजी करते हुए एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि उनके इलाके में कई दिनों से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है, लेकिन सफाई के नाम पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।गुस्साए ग्रामीणों ने अपर नगर आयुक्त से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बरसात के बाद स्थिति और भी खराब हो गई है। गली-मोहल्लों में गंदगी और पानी भरा हुआ है, जिससे विभिन्न बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है।एक प्रदर्शनकारी ग्रामीण ने कहा, ₹नगर निगम सिर्फ कागजों में काम कर रहा है। धरातल पर कुछ भी नहीं हो रहा है। हम टैक्स देते हैं, लेकिन बदले में हमें 'नरक' मिल रहा है।₹ यह प्रदर्शन नगर निगम के वार्ड-06 के पार्षद प्रशांत कसाना के नेतृत्व में किया गया।पार्षद कसाना ने बताया कि वार्ड में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है, जिससे बीमारी और महामारी फैलने का डर है। वार्ड का क्षेत्रफल 20-25 वर्ग किमी है, लेकिन आधे से अधिक सफाई कर्मचारी आदीपल और दिल्ली रोड पर तैनात हैं।गलियों में कूड़े के ढेर लगे हैं और नालियां पूरी तरह बंद हैं। कचरा कलेक्शन की समस्या भी गंभीर है; नगर निगम द्वारा संचालित इश्ठ कंपनी के केवल 2 डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन पूरे वार्ड के लिए हैं, जिसके कारण हफ्तों तक मोहल्लों में गाड़ी नहीं आती।उन्होंने आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक का मुद्दा भी उठाया। सुन्दरा, उर्फी फूल और इंद्रावती मोहल्लों में बंदरों ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। पार्षद ने यह भी बताया कि वार्ड का क्षेत्रफल मेरठ नगर निगम के सभी वार्डों में सबसे बड़ा है और अधिकतर रास्ते कच्चे हैं।पार्षद प्रशांत कसाना ने जिलाधिकारी से उपरोक्त सभी समस्याओं का तत्काल निस्तारण करवाने की गुहार लगाई। उन्होंने विशेष रूप से नालियों और सड़क निर्माण करवाने, कूड़े की गाड़ियों की संख्या बढ़ाने और बंदरों को पकड़वाने की मांग की।

तेज तूफान से चार लोगों की हुई दर्दनाक मौत

गाजीपुर सुल्तानपुर क्षेत्र में मौत का मंजर तो अमौली कस्बे में क्षतिग्रस्त हुआ मकान

अमन लेखनी समाचार

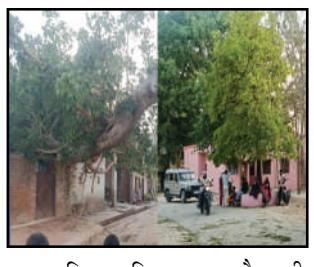

फतेहपुर। कल शाम समय दोपहर के बाद जनपद में जगह-जगह आए तूफान ने हड़कंप मचा दिया तेज तूफान के कहर ने कई लोगों की जिंदगी छीन ली मिली जानकारी के अनुसार कल तेज तूफान आने के कारण हथगांव थाना क्षेत्र के गांव रामपुर मून में 15 वर्षीय बालक ऋतिक पुत्र विजय बहादुर गौतम की दीवाल में दब कर मौत हो गई वही छत में अनाज फैला रही थाना क्षेत्र के शाहपीरपुर चलथरा गांव निवासी 65 वर्षीय उमेरा बेगम पत्नी अहमद अली की छत से नीचे गिर जाने पर दर्दनाक मौत हुई तेज तूफान के कहर से पेड़ के नीचे खड़े 70 वर्षीय मनमोहन और निवासी बुजुर्ग वासुदेव गंभीर रूप से घायल हुए वहीं जनपद के सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के ओझी का पुरवा मजरी सेमौरी में नीम का पेड़ गिर जाने में पेड़ के नीचे दबकर 45 वर्षीय महिला प्रेमा देवी के दर्दनाक मौत हो गई सूचना पाकर पहुंचे थाना प्रभारियों ने सभी शवों का पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम को भेजा वहीं स्थानीय संवाददाता अमौली द्वारा मिली जानकारी के अनुसार कस्बे के सोनकर मोहल्ले में एक भारी पीपल का वृक्ष मकान के ऊपर गिरा जहां मकान क्षतिग्रस्त हो गया तथा किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई

उग्र सपा प्रवक्ता के ऊपर कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

जिलाध्यक्ष राजीव मिश्रा ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति से की अपील

अमन लेखनी समाचार/शोभित शुक्ला

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने ब्राह्मण समाज के ऊपर एक अमर्यादित टिप्पणी की जिसका वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ मामले को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलंकार अग्निहोत्री भड़क उठे वही कार्यवाही की मांग करने पर पुलिस प्रशासन ने भी बर्बरता दिखाई इसी मुद्दे को लेकर फतेहपुर जिला अध्यक्ष राजीव मिश्रा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत प्रदेश अध्यक्ष विश्वदीप अवस्थी के निर्देशन पर जिला अधिकारी के माध्यम से देश की राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा पार्टी के अन्य समर्थक जैसे संतोष अवस्थी पवन शुक्ला रजोली पाण्डेय लाल दीक्षित समेत भारी संख्या में ब्राह्मण समाज के युवा बुजुर्ग महिला पुरुष नागरिकों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता की भ्रष्टता पर आक्रोशित हुए मौजूदा लोगों ने बताया कि भाटी के इस बयान से देश का संपूर्ण ब्राह्मण समाज आहत हुआ है इसका परिणाम पूर्ण रूप से 2027 में स्वर्ण समाज दिखाएगा परंतु इससे पहले इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए पार्टी के सभी पदाधिकारीयों ने सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153 ए /295 ए के तहत मुकदमा दर्ज किए जाने की अपील की वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी ब्राह्मण समाज ने ऐसे उग्र नेता को पार्टी से निष्कासित करने की अपील की वही विस्वस्त सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार भड़काऊ भाषण देने के पश्चात समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने सोशल वीडियो के माध्यम से ब्राह्मण समाज से माफी मांगी है

5 सेकेंड में लैपटॉप चोरी करने वाले 3 गिरफ्तार

नोएडा में छह महीने से थे एक्टिव, 31 लैपटॉप बरामद, 250 जगह कर चुके चोरी

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,कार की शीशा तोड़कर सिर्फ 5 सेकेंड में लैपटॉप चोरी करने वाले तीन लोग गिरफ्तार किए गए। इनके पास से 31 लैपटॉप और पोर्टेबल मशीन बरामद की गई। इसी मशीन के जरिए ये लोग कार का शीशा तोड़कर सामान चोरी करते है। इनके नाम लविश, अंकित और राजेंद्र वर्मा है। एडीसीपी ने मनीषा सिंह ने बताया कि ये गैंग छह महीने से सक्रिय है। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-113 पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर तीनों को सोरखा से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री और आसपास के एरिया में खड़ी कार की पहले रैकी करते। टार्च से अंदर देखते है। लैपटॉप बैग होने पर मशीन के जरिए महज 5 सेकेंड में शीशा तोड़कर लैपटॉप चोरी कर फरार हो जाते है।सुनसान इलाकों में छिपातेचोरी किए गए लैपटॉप को सुनसान स्थानों पर छिपा देते है। साथ ग्राहक मिलने पर उसको बेच देते है। मिले पैसों को आपस में बांटकर मौज मस्ती करते है। ये लोग लैपटॉप के पार्टस भी बेचते है। पुलिस अब इनके और साथियों को तलाश कर रही है।

पिपरी पुलिस द्वारा घर से गए चारों नाबालिग बच्चे सकुशल बरामद, परिजनों को किया गया सुपुर्द

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। वादी नन्दु पाल पुत्र रामबरन पाल निवासी चाचा कॉलोनी, वार्ड नं0-3 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र द्वारा थाना पिपरी पर सूचना दी गई कि दिनांक 09.05.2026 को उसका पुत्र आलोक कुमार पाल उम्र करीब 14 वर्ष अपने मित्र रोहित कुमार पुत्र पिन्टू राम उम्र करीब 12 वर्ष, विवेक हरिजन पुत्र सुनील राम उम्र करीब 14 वर्ष एवं अनिकेत राम पुत्र अनिल भारती उम्र करीब 16 वर्ष निवासीगण चाचा कॉलोनी वार्ड नं0-3 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र के साथ घर से बिना बताए कहीं चला गया है। सूचना प्राप्त होने पर थाना पिपरी पर मु0अ0सं0-83/2026 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कर तत्काल बच्चों की तलाश हेतु पुलिस टीम गठित कर प्रभावी कार्यवाही प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों एवं अन्य तकनीकी माध्यमों का गहन परीक्षण करते हुए बच्चों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में आज दिनांक 12.05.2026 को थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा चारों बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। पूछताछ में बच्चों द्वारा बताया गया कि वे आपस में मित्र हैं तथा घूमने के उद्देश्य से बिना किसी को बताए ट्रेन से पटना चले गए थे। उनके साथ किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। आवश्यक पूछताछ एवं विधिक कार्यवाही उपरांत चारों बच्चों को सकुशल उनके परिजनों की सुपुर्दगी में दिया गया।

मंडप में बदला दूल्हा, फर्जी पहचान का पर्दाफाश , नौ संदिग्ध हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद। हरदोई के शाहाबाद में बीती रात जो हुआ, उसने रिश्तों, भरोसे और सामाजिक सुरक्षा पर बेहद गंभीर सवाल खड़े कर दिए। माता-पिता विहीन अधिवक्ता युवती को इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप चैट और फर्जी पहचान के जरिए कथित प्रेमजाल में फंसाकर शादी के मंडप तक लाने की साजिश रची गई। खुद को भारतीय सेना का जवान राहुल कुमार मिश्रा बताने वाले शातिर ने वर्दी की तस्वीरें, छुट्टी पत्र, वरिष्ठ अधिकारियों के फोटो और मुलाकातों के जरिए ऐसा विश्वास कायम किया कि पूरा रिश्ता वास्तविक प्रतीत हो। लेकिन बीती रात जब छतरपुर से बारात शाहाबाद पहुँची, तो विवाह मंडप में दूल्हे की सच्चाई सामने आते ही सनसनी फैल गई। जिस युवक पर भरोसा किया गया, मंडप में मौजूद व्यक्ति उससे अलग निकला और उसने अपना नाम देवेंद्र सिंह परिहार बताया। अधिवक्ता युवती की सूझबूझ और सतर्कता ने ठीक समय पर उस कथित षड्यंत्र का पर्दाफाश कर दिया।

सबसे बड़ा सवाल—अगर यह भेद न खुलता, तो आखिर इस बेसहारा युवती की जिंदगी किस अंधेरे में धकेल दी जाती?

क्या यह सिर्फ वैवाहिक धोखाधड़ी थी, या फिर किसी बड़े शोषण, तस्करी या संगठित आपराधिक जाल की भयावह शुरूआत?

अब पूरा अधिवक्ता समाज, स्थानीय नागरिक और लड़की पक्ष कठोरतम कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहा है। शाहाबाद की यह घटना केवल एक शादी टूटने की खबर नहीं, बल्कि समाज को चेतावनी है कि डिजिटल छल, फर्जी पहचान और सुनियोजित धोखाधड़ी किस हद तक किसी की जिंदगी बर्बाद कर सकती है। यदि दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो ऐसे गिरोह समाज की बेटियों के भविष्य के लिए और भी बड़ा खतरा बन सकते हैं।

डंपर ने उजाड़े तीन घर, सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

अमन लेखनी समाचार/अभिषेक सिंह

कासिमपुर। कासिमपुर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत के बाद सड़क पर गिरे युवकों को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और गांव में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, फतेहपुर पथरौली गांव निवासी पंकज (20), अनूप (18) और प्रवीण उर्फ बाबू (22) एक ही बाइक से बाल कटवाने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक मल्लावां थाना क्षेत्र के तिरिया भवानीपुर निवासी जितेंद्र (45) चला रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिर पड़े। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने सड़क पर पड़े पंकज और अनूप को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं प्रवीण उर्फ बाबू और जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बेहंदर सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान प्रवीण उर्फ बाबू ने भी दम तोड़ दिया, जबकि जितेंद्र का इलाज जारी है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

मृतक प्रवीण उर्फ बाबू नोएडा में अपने परिवार के साथ रहता था। वह इस वर्ष विज्ञान वर्ग (ढउट) से कक्षा 12 का छात्र था और पढ़ाई में काफी मेहनती माना जाता था। परिजनों के अनुसार, वह 10 मई को अपने मामा के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए गौरी सैय्यद तालिब (भूड़गौरी) गांव आया था। हादसे के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। प्रवीण के पिता नोएडा में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। परिवार में तीन भाई और एक बहन हैं। प्रवीण भाइयों में सबसे छोटा था।

आगे की पढ़ाई को लेकर उत्साहित था अनूप

मृतक अनूप ने इसी वर्ष कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उसके पिता गांव में रहकर खेती-बाड़ी करते हैं। परिजनों के मुताबिक, अनूप आगे की पढ़ाई को लेकर काफी उत्साहित था और भविष्य के लिए बड़े सपने देख रहा था।

चचेरे भाइयों की एक साथ मौत से गांव में शोक

पंकज और अनूप आपस में चचेरे भाई थे। दोनों के पिता सगे भाई हैं और खेती-बाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। हादसे के बाद दोनों परिवारों में एक साथ मातम छा गया। गांव में हर तरफ इस दर्दनाक हादसे की चर्चा हो रही है और बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित परिवारों को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

डंपर कब्जे में, पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने हादसे के बाद डंपर को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करा दिया है। तीनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खास समाचार

हरदोई : शादी में हर्ष फायरिंग बनी हादसे की वजह, दो लोग घायल

अमन लेखनी समाचार

हरदोई में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग से बड़ा हादसा हो गया। मामला थाना क्षेत्र के ग्राम उम्परपुरवा का है, जहां वैवाहिक कार्यक्रम में शराब के नशे में एक व्यक्ति ने लाइसेंसी राइफल से फायरिंग कर दी। फायरिंग की चपेट में आकर बारात में मौजूद ब्रजेश राठौर और रेशमा घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी चंद्रपाल पुत्र डोरीलाल को लाइसेंसी राइफल सहित हिरासत में ले लिया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्राधिकारी नगर अंकित मिश्रा ने बताया कि घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हरदोई में सड़क हादसों पर लगेगी लगाम, जीरो फेटलिटी मिशन को लेकर हुई समीक्षा बैठक

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट अभियान को प्रभावी बनाने के लिए बुधवार को पुलिस विभाग की अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक हरदोई के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में क्रिटिकल कॉरिडोर टीम प्रभारियों के साथ सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने दुर्घटनाओं की विस्तृत जांच, आई आर एडी/ ईडी एआर पोर्टल पर समय से फीडिंग, तीन या उससे अधिक मौत वाली सड़क दुर्घटनाओं की विशेष समीक्षा तथा मार्गों पर सुधारात्मक कार्यों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष अभियान चलाने, मार्गों पर प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई, सड़क किनारे पार्किंग व्यवस्था सुधारने, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना व सक्रियता बढ़ाने तथा दुर्घटना स्थलों की जिओ मैपिंग कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री राहत योजना और राहवीर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने की रणनीति भी तैयार की गई। पुलिस विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं और सुरक्षित यात्रा को प्राथमिकता दें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

महिला थाना के पास आर0सी0सी0 कलवर्ट नाला निर्माण कार्य हेतु रूट डायवर्जन

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज अश्वनी कुमार ने अवगत कराया है कि त्वरित आर्थिक विकास प्राधिकरण योजना के अन्तर्गत रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र में महिला थाना के पास आर0सी0सी0 कलवर्ट नाले का निर्माण कार्य कराया जाना है। यह निर्माण कार्य लगभग 22 दिवस तक संचालित रहेगा। निर्माण कार्य के दौरान हल्के वाहनों के आवागमन हेतु रूट डायवर्जन किया गया है। हल्के वाहन कलवर्ट नाले से लगभग 100 मीटर पूर्व स्थित पुलिया से दाहिनी ओर मुड़कर हाइड्रिल मैदान से सटे कलवारी-खलियारी मार्ग का प्रयोग करेंगे। भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करते हुए बताया गया कि वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर स्थित किलोमीटर-56 से तेन्दू होते हुए बनौरा, कलवारी, रॉबर्ट्सगंज- खलियारी मार्ग से बेलखुरी की ओर आवागमन कराया जाएगा।

सपनों को मिला सहारा, संघर्ष से सफलता तक मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से आत्मनिर्भर बने उद्यमी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ह्लमुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियानह्व आज प्रदेश के युवाओं के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। यह योजना न केवल युवाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का एक सशक्त माध्यम भी दे रही है। इसी योजना का लाभ लेकर जनपद सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज निवासी केतन कुमार पाण्डेय ने अपने सपनों को साकार करते हुए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। केतन कुमार पाण्डेय, पुत्र अशोक पाण्डेय, आर्य नगर (मेन रोड), रॉबर्ट्सगंज के निवासी हैं। एक साधारण परिवार में पले-बढ़े केतन के मन में शुरू से ही कुछ अलग करने और स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने का सपना था। वे चाहते थे कि वे नौकरी की तलाश में भटकने के बजाय खुद का रोजगार स्थापित करें और दूसरों के लिए भी अवसर पैदा करें। लेकिन सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उनका यह सपना बार-बार अधूरा रह जाता था। इसी दौरान उन्हें ह्लमुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियानह्व के बारे में जानकारी मिली। यह योजना उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आई। उन्होंने बिना देर किए इस योजना के अंतर्गत आवेदन करने का निर्णय लिया। प्रारंभ में उन्हें प्रक्रिया को समझने और आवश्यक दस्तावेजों को एकत्रित करने में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। संबंधित विभागों और बैंक अधिकारियों के मार्गदर्शन से उन्होंने सभी औपचारिकताएं पूरी कीं। उनके प्रयासों को सफलता मिली और उन्हें यूको बैंक, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र से रूपया 5,00,000 (पांच लाख रुपये) का ऋण स्वीकृत हुआ। यह उनके जीवन का वह महत्वपूर्ण क्षण था, जिसने उनके सपनों को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान किया, प्राप्त ऋण राशि का सदुपयोग करते हुए केतन ने रॉबर्ट्सगंज के मुख्य मार्ग पर एक आधुनिक एवं व्यवस्थित फूड रेस्टोरेंट की स्थापना की। उन्होंने अपने रेस्टोरेंट में स्वच्छता, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। शुरूआत में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा ग्राहकों का विश्वास जीतना, बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना, और व्यवसाय को स्थिरता प्रदान करना। लेकिन उन्होंने धैर्य, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ हर चुनौती का सामना किया। धीरे-धीरे उनके रेस्टोरेंट की पहचान बनने लगी। स्वादिष्ट भोजन, बेहतर सेवा और स्वच्छ वातावरण के कारण उनके यहां ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ने लगी। आज उनका फूड रेस्टोरेंट न केवल स्थानीय लोगों के बीच लोकप्रिय हो चुका है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी लोग यहां आने लगे हैं। सबसे प्रेरणादायक पहलू यह है कि केतन ने अपने इस व्यवसाय के माध्यम से केवल स्वयं को ही आत्मनिर्भर नहीं बनाया, बल्कि पाँच अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान किया है। इस प्रकार वे समाज में रोजगार सृजन के माध्यम से भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनके साथ काम करने वाले लोग भी अब अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानपूर्वक कर पा रहे हैं। केतन कुमार पाण्डेय बताते हैं, ह्लयह योजना मेरे जीवन के लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई है।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन स्थित पुलिस कार्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठों का किया गया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार द्वारा पुलिस लाइन चुर्क स्थित पुलिस कार्यालय के जनसूचना सेल, व्यापारी प्रकोष्ठ सेल, नारकोटिक्स सेल, महिला सहायता प्रकोष्ठ, विशेष जांच प्रकोष्ठ, शिकायत प्रकोष्ठ सहित विभिन्न शाखाओं/सेलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अभिलेखों, पत्रावलियों एवं लंबित प्रकरणों का अवलोकन कर उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महिला सहायता प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं संवेदनशील निस्तारण पर विशेष बल दिया गया। नारकोटिक्स सेल के निरीक्षण के दौरान मादक पदार्थों से संबंधित अभियोगों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु सतत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। व्यापारी प्रकोष्ठ सेल में व्यापारियों से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान एवं बेहतर समन्वय बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त प्रकोष्ठों में साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं कार्यालयीय कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

मिशन शक्ति 5.0: के तहत महिलाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर सोनभद्र पुलिस का अभियान

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाने के उद्देश्य से जनपद में मिशन शक्ति 5.0 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के माध्यम से पुलिस टीमों ने विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर लोगों को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी के नेतृत्व में संचालित किया गया। जनपद के सभी थानों की मिशन शक्ति टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर महिलाओं और छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित किया। साइबर ठगी और सोशल मीडिया सुरक्षा पर दी जानकारी अभियान के दौरान महिलाओं और छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीमों ने बताया कि अपराधी अक्सर डर, लालच और फर्जी प्रलोभनों के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। लोगों को किसी भी अनजान लिंक, कॉल, मैसेज या ओटीपी को साझा न करने की सलाह दी गई। साथ ही सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।

गुड टचह्लबैड टच और आत्मरक्षा पर विशेष जोर

कार्यक्रम में बालिकाओं को गुड टच और बैड टच की पहचान के बारे में सरल और संवादात्मक तरीके से समझाया गया। इसके अलावा महिलाओं और छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे स्वयं की सुरक्षा कर सकें।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस का भरोसा

मिशन शक्ति टीमों ने उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को भरोसा दिलाया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा अथवा साइबर अपराध जैसी घटनाओं में सोनभद्र पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी शिकायत पर निष्पक्ष एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस द्वारा साइबर ब्लैकमेलिंग गैंग के 5 आरोपी गिरफ्तार

फर्जी पुलिस-आर्मी प्रोफाइल लगाकर लोगों को डराकर वसूलते थे रकम।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे संगठित साइबर गिरोह का पदार्फाश किया है जो लोगों को डिजिटल माध्यम से ब्लैकमेल कर धन उगाही करता था। इस गिरोह के उत्पीड़न से परेशान होकर एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने राजस्थान से पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) ऋषभ रुणवाल तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस, साइबर थाना, एसओजी एवं सर्विलांस टीम ने संयुक्त रूप से यह सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को अंकिता पाठक ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत देकर बताया कि उनके पति राजेंद्र पाठक ने 7/8 अप्रैल की रात अपने नवनिर्मित मकान में आत्महत्या कर ली थी। शुरूआत में आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके, लेकिन परिजनों द्वारा मृतक का मोबाइल फोन जांचने पर कई अहम तथ्य सामने आए। मोबाइल चैट, कॉल डिटेल और बैंक खाते के स्टेटमेंट से पता चला कि कुछ अज्ञात लोगों द्वारा लगातार मृतक को धमकाकर पैसे मांग रहे थे। मृतक कई बार आरोपियों को धनराशि भी भेज चुका था। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि साइबर उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर ही उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना रॉबर्ट्सगंज में मु0अ0सं0-343/2026 धारा 108 एवं 308(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर थाना, एसओजी एवं सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम गठित की गई जांच टीम ने मृतक के मोबाइल में मौजूद चैट, वीडियो कॉल और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान पता चला कि वीडियो कॉल राजस्थान के अलवर जनपद से की गई थी। जिस खाते में धनराशि भेजी गई, वह महाराष्ट्र राज्य का था, जबकि रकम राजस्थान के भिवाड़ी क्षेत्र से निकाली गई थी। तकनीकी साक्ष्यों, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी एवं सर्विलांस प्रभारी नागेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम राजस्थान रवाना हुई। संयुक्त पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से 10 मई 2026 को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में धमकी देकर धन उगाही करने वाले, रकम निकालने वाले तथा म्यूल बैंक खाते और एटीएम कार्ड उपलब्ध कराने वाले लोग शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में अफसील खान, नूर मोहम्मद उर्फ नंदा, राशिद, वशिम तथा बारिश शामिल हैं, जो राजस्थान के अलवर एवं खैरथल- तिजारा क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 मोबाइल फोन, 2 म्यूल अकाउंट के एटीएम कार्ड, घटना में प्रयुक्त सिम कार्ड तथा 6000 रुपये नकद बरामद किए जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर उनमें पुलिस और आर्मी अधिकारियों की तस्वीरें लगाते थे।

निर्माण कार्यों की प्रगति गुणवत्ता की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

निर्माण कार्यो को ससमय गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने के दिये निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ की तैनाती एवं संबंधित समस्याओं के निराकरण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज से कहा कि नर्सिंग स्टाफ से संबंधित सभी समस्याओं का जनपद स्तर पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन समस्याओं के समाधान हेतु शासन स्तर पर कार्यवाही आवश्यक हो, उन्हें तत्काल उच्च स्तर पर पत्राचार कर शासन को प्रेषित किया जाए, जिससे मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु सभी आवश्यक कदम प्राथमिकता के आधार पर उठाने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा जनपद में जिला खनिज फाउंडेशन निधि से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि पांच करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच आई0आई0टी0 जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से कराई जाए। इसके अतिरिक्त अन्य परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच हेतु टीम गठित कर नियमित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत ही अग्रिम कार्यवाही की जाए तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी इंद्रभान सिंह, सीनियर माइंस ऑफिसर कमल कश्यप, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग नूर आलम सहित संबंधित निर्माण एजेंसियों के अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।

कोन पुलिस द्वारा 10 वर्षों से फरार एवं न्यायालय में हाजिर न होने वाले 01 वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। आज दिनांक 12.05.2026 को थाना कोन पुलिस टीम द्वारा मा0 न्यायालय अपर सिविल जज (जू0डि0)/जे0एम दुद्धी, जनपद सोनभद्र द्वारा निर्गत वारंट के वारंटी अभियुक्त लक्ष्मी नरायण सिंह पुत्र महेन्द्र प्रताप सिंह निवासी सिद्दी, थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया। उक्त अभियुक्त विगत लगभग 10 वर्षों से मा0 न्यायालय द्वारा निर्गत आदेशों की अवहेलना करते हुए फरार चल रहा था, जिसके विरुद्ध मा0 न्यायालय द्वारा धारा 83 सीआरपीसी की कार्यवाही भी कराई गई थी। थाना कोन पुलिस टीम द्वारा सतत प्रयास एवं सुरागरसी-पतारसी करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी उपरांत आवश्यक विधिक कार्यवाही कर अभियुक्त को मा0 न्यायालय भेजा गया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews @gmail.com

भगवान शिव की भूमिका निभाएंगे रणवीर...

मुंबई। रणवीर सिंह अपनी फिल्मों में एक बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। वह एक प्रसिद्ध लेखक की शिव त्रयी (मेलुहा के अमर श्रृंखला) पर बनी फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर भगवान शिव का किरदार निभाएंगे रणवीर ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी मां कसम फिल्म्स के जरिए 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' के अधिकार खरीद लिए हैं। यह किताब और इसके दो सीक्वल प्राचीन मेलुहा राज्य में एक हिमालयी योद्धा की कहानी बताते हैं। रणवीर ने बिरला स्टूडियोज के साथ मिलकर इस कहानी को तीन बड़ी फिल्मों की श्रृंखला (त्रयी) के रूप में बनाने की योजना बनाई है। रणवीर काफी समय से इसकी कहानी को बड़े पर्दे पर लाना चाहते थे।

लाइफ Style

प्रियंका मीरा की फिल्म अमरी में आएंगी नजर

प्रसिद्ध निर्देशक और निर्माता मीरा नायर अपनी नई फिल्म 'अमरी' लेकर आ रही हैं। यह फिल्म भारत की मशहूर पेंटर के जीवन और उनकी कला पर आधारित है। डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से अपने निर्देशन कॅरियर की शुरुआत करने वाली मीरा नायर अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इस फिल्म का नाम है 'अमरी'। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और जयदीप अहलावत के अलावा भी कई कलाकाल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। मीरा नायर की नई फिल्म 'अमरी' में मुख्य भूमिका में अंजलि शिवरामन अमृता शेर-गिल का किरदार निभाएंगी। एमिली वॉटसन उनकी मां मैरी-एंटोनेट का रोल करेंगी। जयदीप अहलावत उनके पिता उमराव सिंह शेर-गिल के किरदार में नजर आएंगे। क्रिस्टियन साकवारी विक्टर इंगन के रूप में नजर आएंगी। अंजना वासन इंदिरा शेर-गिल के रूप में और जिम सरभ कार्ल खंडालावाला के रूप में नजर आएंगे। इन सभी के अलावा प्रियंका चोपड़ा मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं। मंगलवार को मीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी नई फिल्म 'अमरी' का पहला लुक जारी किया है। अमृता शेर-गिल की कला ने मीरा नायर को बहुत प्रभावित किया है। एएनआई के अनुसार मीरा ने कहा, ''अमरी' अमृता शेर-गिल की कला से प्रेरित है। उन्होंने यूरोप में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर भारत की आत्मा को अपनी पेंटिंग में उतारा। उनके रंगों की हिम्मत और आम लोगों को चित्रित करने का तरीका मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है।'

हॉलीवुड मसाला

वन लाइफ... से मिली पहचान...

लॉस एंजिल्स। 'वन लाइफ टू लिव' और 'हाउ टू सरवाइव अ मैरिज' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध अभिनेत्री जेनिफर हरमन का निधन हो गया है। जेनिफर ने 82 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा। जेनिफर हरमन लोकप्रिय टीवी शो 'वन लाइफ टू लिव' में 'कैथी' का किरदार निभाने के लिए जानी जाती थी। वह इस भूमिका को निभाने वाली पांचवीं अभिनेत्री थीं। उन्होंने 1976 से 1978 तक यह रोल किया और इसके लिए डे-टाइम एमी अवॉर्ड के लिए नामांकन भी मिला था। इससे पहले उन्होंने 1974-75 में एनबीसी के शो 'हाउ टू सरवाइव ए मैरिज' में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।

ब्रिटनी को हुई एक दिन की जेल, कबूला जुर्म

लॉस एंजिल्स। प्रिंसेस ऑफ पॉप कही जाने वाली अमेरिकन सिंगर-परफॉर्मर ब्रिटनी स्पीयर्स एक कानूनी पचड़े में फंस गई हैं। ब्रिटनी ने साउथ कैलिफोर्निया में शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले से जुड़े कम गंभीर आरोप में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद सिंगर को 12 महीने का प्रोबेशन और एक दिन के जेल की सजा सुनाई गई है। ब्रिटनी स्पीयर्स ने अपने वकील माइकल ए गोल्डस्टीन के जरिए वेंचुरा काउंटी सुपीरियर कोर्ट में अपना जुर्म कबूल किया। स्पीयर्स सुनवाई में मौजूद नहीं थीं, उनके वकील ने उनका प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वेंचुरा काउंटी कमिश्नर मैथ्यू जेमरसन ने ब्रिटनी स्पीयर्स को 12 महीने का प्रोबेशन और एक दिन की जेल की सजा सुनाई। उन्हें जरूरी जुर्माना भरने, राज्य द्वारा निर्धारित तीन महीने के ड्राइविंग अंडर इन्फ्लुएंस एजुकेशन प्रोग्राम को पूरा करने का भी आदेश दिया।

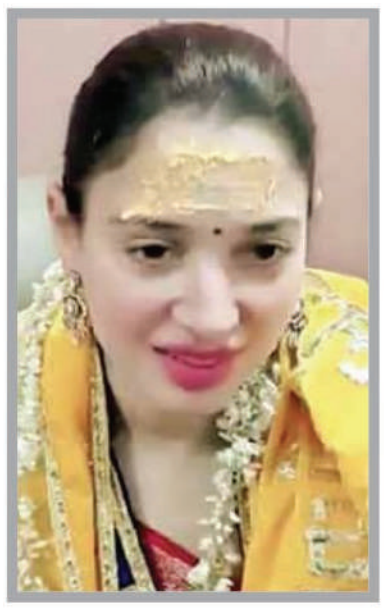

महाकालेश्वर पहुंचीं तमन्ना आरती में दिखीं लीन

मुंबई। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मंगलवार को महाकाल के दर्शन करने पहुंचीं। उन्होंने उज्जैन के महाकालेश्वर में भस्म आरती में भाग लिया और प्रार्थना की। इस दौरान तमन्ना पूरी तरह से महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। दर्शन करने के बाद उन्होंने अपने अनुभव को भावपूर्ण और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर बताया। उन्होंने कहा, 'इस स्थान पर तभी जाया जा सकता है, जब खुद महाकाल का बुलावा आता है। सभी के साथ बैठकर भस्म आरती देखने का मौका मिलना अपने आप में एक खास अनुभव है। यह एक ऐसा एहसास जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती। यहां आकर मन को शांति मिलती है और अंदर सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। यहां एक ऐसी ऊर्जा है, जिसे सबके साथ बैठकर महसूस करना वाकई आनंदित करता है। यहां आना मेरा सौभाग्य है।'

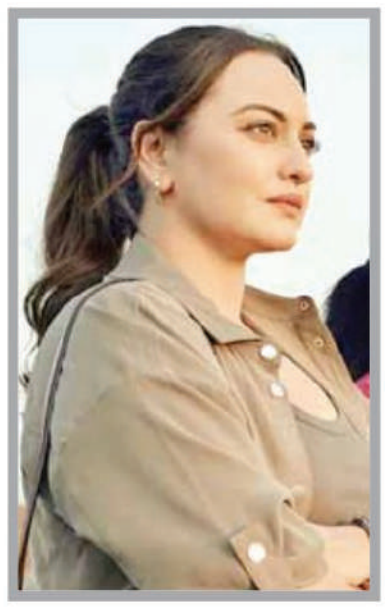

वकील की भूमिका में होंगी सोनाक्षी...

मुंबई। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा एक कोर्टरूम ड्रामा के साथ वापसी कर रही हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सिस्टम' का ट्रेलर मंगलवार जारी कर दिया गया है। इस फिल्म में सोनाक्षी एक वकील की भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म का ट्रेलर सत्ता, महत्वाकांक्षा और न्याय के टकराव की एक रोमांचक कानूनी लड़ाई की झलक दिखाता है। सिस्टम 22 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। 2 मिनट के इस ट्रेलर की शुरुआत सोनाक्षी के किरदार नेहा से होती है। नेहा एक दृढ़ निश्चयी युवा वकील है और अपने पिता की लॉ फर्म में पार्टनर बनने के लिए खुद को योग्य साबित करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पिता (आशुतोष गोवारिकर) उसे एक कठिन केस लेने की चुनौती देते हैं। अपनी लड़ाई को मजबूत करने के लिए, नेहा सारिका (ज्योतिका) को अपने साथ लाती है।

टीवी मसाला

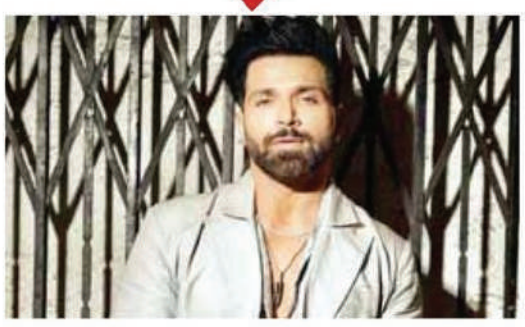

खतरों के खिलाड़ी में स्टंट करने में मेरी हालत होगी खराब...

नई दिल्ली। टीवी पर हमेशा हंसते, दूसरों को सहज महसूस कराते और हर मुश्किल पल को मजाक में बदल देने वाले ऋतिक धनजानी इस बार खुद डर के बीच फंसे नजर आएंगे। दरअसल, ऋतिक 'खतरों के खिलाड़ी 15' में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने जा रहे हैं। लेकिन, दिलचस्प बात ये है कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले ऋतिक किसी मायो इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहे। हाल ही में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर मैं डरूंगा, तो वो दिखेगा भी। ऋतिक ने अपने गेम प्लान, डर, स्टंट और मेडिटेशन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें आज भी ऊंचाई से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'हाइट्स हमेशा से मेरे लिए थोड़ा ट्रिगर रही हैं। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कैमरे के सामने ये दिखाएं कि मुझे किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। अगर डर है तो है। मैं उसे छिपाने वाला नहीं। मुझे लगता है लोग आज बहुत जल्दी नकली चीज पकड़ लेते हैं। इसलिए, मैं यहां कोई सुपरहीरो बनने नहीं आया हूं। मैं बस रियल रहना चाहता हूं। अगर किसी स्टंट में मेरी हालत खराब होगी, तो होगी। अगर मैं पैनिक करूंगा, तो वो भी दिखेगा।'जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस शो के जरिए अपनी कोई इमेज बदलना या तोड़ना चहते हैं' इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं कोई इमेज नहीं तोड़ना चाहता, क्योंकि सच कहूं तो मैंने कभी खुद को किसी इमेज में बांधा ही नहीं। लेकिन हां, लोग मुझे हमेशा हंसते हुए देखते हैं, मजाक करते हुए देखते हैं।

अमीरों की चकाचौंध भरी जिंदगी में तांक-झांक!

नई दिल्ली। टेलीविजन की चर्चित जोड़ी करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस चर्चित जोड़ी को फैंस खूब पसंद करते हैं। हाल ही में इन्हें 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' में देखा गया था। अब ये दोनों दुबई पहुंचे हैं। वे यहां बड़े-बड़े लोगों की जिंदगी से जुड़ी चीजों को करीब से देख रहे हैं। ऐसा वे अपने नए रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' के कारण कर रहे हैं, जिसका मंगलवार को ट्रेलर रिलीज हुआ है। 'देसी ब्लिंग' एक रियलिटी शो है, जो नेटफ्लिक्स पर आएगा। आज सोमवार को ओटीटी के दिग्गज प्लेटफॉर्म ने इसका ट्रेलर जारी किया है। इस शो में दरअसल, दुबई में रहने वाले अमीर भारतीयों को दिखाया जाएगा। उनकी लाइफस्टाइल, विचार और तौर-तरीके ट्रेलर के साथ ही इस शो की रिलीज डेट का भी पता चल गया है। इसका प्रीमियर 20 मई से नेटफ्लिक्स पर होगा। नेटफ्लिक्स ने ट्रेलर जारी करते हुए लिखा है, 'खुर्ज खलीफा जितने बड़े ड्रामा के लिए खुद को तैयार रखें।

कान फिल्म फेस्टिवल में छाईं आलिया सामने आई पहली झलक ...

लॉस एंजिल्स। कान फिल्म फेस्टिवल का आगाज मंगलवार को ओपनिंग सेरेमनी के साथ हुआ। इस प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में दुनियाभर की सिनेमा और फैशन जगत की चर्चित हस्तियां शामिल होती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट भी यहां पहुंची हैं। कान फेस्टिवल से उनका एक लुक सामने आया है। आलिया भट्ट ने लाइट ग्रीन कलर का फ्लोरल कोर्सेट कैरी किया है, जो व्हाइट बॉलगाउन स्कर्ट सरीखा लग रहा है। आलिया का यह लुक बेहद रिफ्रेशिंग और स्टाइलिश है। एक्ट्रेस ने ग्लोबल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे ग्लैमरस लुक में इतनी सहज और प्यारी लग रही हैं कि देखने वाले लोग तारीफें कर रहे हैं।आलिया ने व्हाइट हील्स पर येलो, ग्रीन और ब्लू शेड वाले इस फ्लोरल लुक गाउन के साथ अपने हेयर स्टाइल को भी बेहद खास रखा है। उन्होंने हाईबन बनाया है। आलिया ने अपना लुक बेहद सिंपल रखा है। न उन्होंने गले में नेकलेस पहना है न कलाई पर कोई बेसलेट या घड़ी। इसके बावजूद अपने दमदार अंदाज से उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा है। आलिया भट्ट का कान फेस्टिवल का यह लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और नेटिजंस के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। एक्ट्रेस को सकारात्मक रिएक्शंस मिल रहे हैं। यूजर्स उन्हें डिज्नी प्रिंसेस बुला रहे हैं।

ये भारतीय स्टार्स आएंगे नजर

इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में नजर आने वाले भारतीय सितारों में आलिया भट्ट और तारा सुतारिया के अलावा ऐश्वर्या राय बच्चन, अदिति राव हैदरी, मौनी रॉय और करण जौहर के भी इस फेस्टिवल में पहुंचने की संभावनाएं हैं। फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया को 65वें कान क्रिटिक्स वीक के जूरी का अध्यक्ष भी बनाया गया है।

लकड़बग्घा-2 की होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

मुंबई। अभिनेता और निर्देशक अंशुमन झा की फिल्म 'लकड़बग्घा 2 द मंकी बिजनेस' इस साल 79वें कान फिल्म फेस्टिवल के मार्चे दु फिल्म में स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए तैयार है। फिल्म 'लकड़बग्घा 2' साल के आखिर में रिलीज से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज होने की तैयारी कर रही है। फिल्म 'लकड़बग्घा 2 द मंकी बिजनेस' को 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगी। 'लकड़बग्घा 2' भारत और इंडोनेशिया के बीच पहला आधिकारिक सह-निर्माण (को-प्रोडक्शन) है। इस फिल्म का निर्देशन अंशुमन झा ने किया है। फिल्म में सनी पैंग, डैन चुपोंग, आदिल हुसैन, सारा-जेन डायस और अंशुमन झा ने भी अभिनय किया है। अंशुमन झा ने बताया, 'पहली फिल्म कुत्तों के प्यार पर आधारित थी। दूसरी फिल्म 'द मंकी बिजनेस' इसे बढ़ाकर सभी जानवरों तक ले जाती है। जानवर इसलिए खत्म हो रहे हैं क्योंकि इंसानियत खत्म हो रही है। हम एक्शन को सिर्फ मार-पीट तक नहीं रखना चाहते, बल्कि इसमें गहराई और मकसद भी देना चाहते हैं।' अंशुमन झा की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'लकड़बग्घा 2 द मंकी बिजनेस' दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म, जो 2023 की फिल्म का सीक्वल है, दिवाली 2026 पर नितेश तिवारी की 'रामायण भाग 1' के साथ बॉक्स ऑफिस पर क्लैश होगा।

बॉम्बे स्टोरीज भी होगी प्रदर्शित

मुंबई। कान फिल्म फेस्टिवल में मौनी रॉय शिरकत करने के लिए तैयार हैं। उनकी इंडो-अमेरिकन फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' को समारोह में प्रदर्शित किया जाएगा। शाह काजमी द्वारा निर्देशित यह फिल्म सआदत हसन मंटो के उपन्यास पर 'बॉम्बे स्टोरीज' पर आधारित है। निर्देशक काजमी ने इस साल मार्चे दु फिल्म में फिल्म की स्क्रीनिंग की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'इसे कान्स फिल्म मार्केट में प्रदर्शित किया जाएगा। 19 मई को कान्स से और ज्यादा जानकारी जारी की जाएगी। हम पोस्टर लॉन्च भी कर रहे हैं। यह एक सशक्त महिला-केंद्रित फिल्म है जिसमें एक संदेश है। यह भारतीय उपमहाद्वीप के महानतम लेखकों में से एक द्वारा लिखित एक संकलन पर आधारित है। निर्देशक ने कहा, "मेरी यात्रा 2016 में कान्स से शुरू हुई। जब हम मंटो की विभाजन संबंधी कहानियों पर आधारित फिल्म 'मंटोस्तान' (2017) बना रहे थे, तब मुझे इस फिल्म समारोह के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। सौभाग्य से, हमें कान्स में जगह मिली और इस मंच ने हमें काफी पहचान दिलाई है।" फिल्म में मौनी के अलावा, अनुप्रिया गोयनका और सुष्मिता सिंह भी अहम किरदार में हैं। इसकी कहानी शहर की सेक्स वर्करों की जिंदगी पर आधारित है।

दशकों से भारतीय फिल्मों, कलाकारों और मेकर्स ने बनाई है अपनी अलग पहचान

कान फिल्म फेस्टिवल में भारत का जलवा, रेड कार्पेट से अवॉर्ड तक का शानदार सफर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में गिने जाने वाले कान फिल्म फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा का सफर बेहद खास रहा है। दशकों से भारतीय फिल्मों, कलाकारों और फिल्ममेकर्स ने कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी फिल्मों ने यहां तालियां बटोरीं, तो कभी भारतीय सितारों का रेड कार्पेट लुक चर्चा में रहा।

नीचा नगर बनी पहली भारतीय फिल्म

भारत ने पहली बार साल 1946 में कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया था। नीचा नगर पहली भारतीय फिल्म थी, जिसने कान में बड़ी सफलता हासिल की। फिल्म को उस समय फेस्टिवल का सबसे बड़ा सम्मान पाम डी ओर (तब ग्रैंड प्रिक्स) मिला था। यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल था।

सत्यजीत रे ने बढ़ाया भारत का मान

इसके बाद धीरे-धीरे भारतीय फिल्मों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मौजूदगी मजबूत करनी शुरू की। सत्यजीत रे की फिल्मों ने कान में भारत का नाम रोशन किया। उनकी कई फिल्मों को वहां सराहा गया और दुनियाभर के दर्शकों ने भारतीय कहानी कहने के अंदाज को पसंद किया।

जब भारत को कंट्री ऑफ ऑनर चुना गया

साल 2022 भारत के लिए और भी खास रहा, जब भारत को कान फिल्म फेस्टिवल में कंट्री ऑफ ऑनर चुना गया। उसी साल दीपिका पादुकोण को जूरी सदस्य बनने का मौका मिला, जो भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी उपलब्धि मानी गई।

ऑल वी इमेजिन एज लाइट जैसी फिल्मों का शानदार प्रदर्शन

हाल के वर्षों में ऑल वी इमेजिन एज लाइट जैसी फिल्मों ने भी कान में शानदार प्रदर्शन किया और साबित किया कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी कहानियां दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित कर रही हैं। आज कान फिल्म फेस्टिवल भारतीय सिनेमा के लिए सिर्फ एक मंच नहीं, बल्कि दुनिया के सामने अपनी कला, संस्कृति और कहानियों को दिखाने का सबसे बड़ा अवसर बन चुका है।

सलाम बॉम्बे ने बटोरी तारीफें

साल 1988 में 'सलाम बॉम्बे' ने कान में खूब तारीफें बटोरीं और कैमरा डी ऑर अवॉर्ड जीता। इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा को नई पहचान दिलाई। वहीं, मीरा नायरभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गईं।

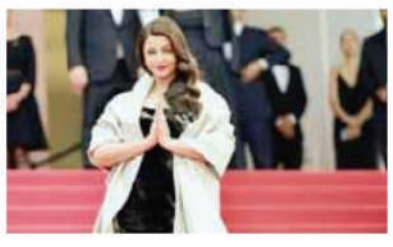

भारतीय सितारों ने खींचा सबका ध्यान

कान फिल्म फेस्टिवल में सिर्फ फिल्में ही नहीं, भारतीय सितारों का फैशन और ग्लैमर भी हमेशा चर्चा में रहता है। ऐश्वर्या राय बच्चन, दीपिका पादुकोण, सोनम कपूर और प्रियंका चोपड़ा जैसे सितारों ने रेड कार्पेट पर अपने शानदार अंदाज से दुनियाभर का ध्यान खींचा।